मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 10 जून 2025

संवत 2082, ज्येष्ठ शुक्ल-14 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 276 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ हर इवेंट का सियासी श्रेय लेने का नतीजा है बंगलूरू हादसा

विवेक अग्निहोत्री ने पब्लिक डिमांड पर बदल दिया फिल्म द दिल्ली फाइल्स का नाम ◂◂ 6

डिटेंशन सेंटर से फरार तीन बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार

पश्चिम बंगाल बॉडर से पुलिस ने किया अरेस्ट

हजारीबाग: जिले के डिटेंशन सेंटर से फरार तीन बांग्लादेशी घुसपैठियों को चार दिन के बाद पुलिस ने पकड़ने में सफलता पाई है। हजारीबाग पुलिस ने तीनों बांग्लादेशी कैदियों को पश्चिम बंगाल के बॉडर से गिरफ्तार कर लिया है ये सभी भागने के फिराक में थे। पुलिस इन तीनों को लेकर हजारीबाग के लिए निकल गई है।

ये तीनों कैदी शनिवार देर रात या शुक्रवार की सुबह छत की एजबेस्टस शीट हटाकर फरार हो गए थे। रीना, नीपा और नजमुल के फरार होने के बाद जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए थे इसके बाद सुरक्षा एजेंसिया सतर्क हो गई थी।

जो तीन कैदी फरार हुए थे उनमें ढाका के गाजीपुर का रीना खान उर्फ फिना देवी है जो 4 फरवरी 2022 को जामताड़ा जेल से शिफ्ट होकर हजारीबाग जेल आई थी। दूसरा कैदी निपाह अख्तर खुशी है जो चटग्राम की रहने वाली है जो रांची के होटवार जेल से शिफ्ट होकर 28 सितंबर 2024 को हजारीबाग आई थी। तीसरा कैदी मोहम्मद नजमूल हंग है जो बागेरहाट के रहने वाला है और 1 मार्च 2025 को दुमका जेल से शिफ्ट होकर हजारीबाग जेल लाया गया था।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व समाजसेवी राजकुमार रजक का निधन,शोक

चाईबासा : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रख्यात समाजसेवी राजकुमार रजक का मंगलवार की सुबह करीब 7:30 बजे निधन हो गया। उनके निधन से चाईबासा में शोक की लहर दौड़ गई। इससे दुखद बात यह है कि एक माह के भीतर उनके परिवार में यह दूसरी मौत है, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। चाईबासा कांग्रेस के महासचिव रहे राजकुमार रजक पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका इलाज चाईबासा और मुंबई में चल रहा था। उनका निधन सुबह उनके निवास पर हो गया। उनके सरल स्वभाव, मिलनसारिता और सेवा भावना के कारण वे हर वर्ग में लोकप्रिय थे। राजकुमार रजक महावीर मंडल चाईबासा के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में संरक्षक भी थे। इसके अलावा वे बाल मंडली, चाईबासा के भी संरक्षण की भूमिका निभा रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ता, समाजसेवी, नगरवासी और अन्य संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उनके आवास पर पहुंचने लगे। उनका अंतिम संस्कार आज ही चाईबासा मुक्तिधाम में होगा। हाल ही में उनके छोटे भाई की भी हार्टअटैक के चलते मौत हो गई थी, जिनका ब्राह्मण भोज भी अभी नहीं हुआ था। ऐसे में राजकुमार रजक का जाना परिवार के लिए दोहरी पीड़ा लेकर आया है। कांग्रेस समेत कई सामाजिक संगठनों ने राजकुमार रजक के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

झारखंड के दो मजदूर की छत्तीसगढ़ में ट्रेन से कटकर मौत

रांची: झारखण्ड के दो मजदूरों की छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में ट्रेन से कटकर मौत हो गयी। यह हादसा मंगलवार सुबह करीब चार बजे कुसुमकसा से दल्लीराजहरा के बीच हुआ, जब काम की तलाश में झारखण्ड से दल्लीराजहरा पहुंचे कुल 11 मजदूर रेलवे ट्रैक के रास्ते पैदल जा रहे थे। पुलिस ने दोनों मृतकों के क्षत-विक्षत शवों को कब्जे में लिया और घायल मजदूरों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

अग्निवीर जवान की संदिग्ध हालात में मौत

रांची : दीपाटोली कैंट में तैनात आर्मी के अग्निवीर जवान की कोडरमा में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। जवान ट्रेन में सफर के दौरान नशाखुरानी गैंग का शिकार हो गया था। इलाज के दौरान सोमवार शाम को कोडरमा सदर अस्पताल में उसकी जान चली गई। मृतक जवान की पहचान कृष्णपाल सिंह के रूप में हुई है, जो मध्य प्रदेश के मंदसौर का रहने वाला था। वह अपने भाई की शादी में शामिल होने के लिए घर गया था और वहां से ड्यूटी पर रांची लौट रहा था।

स्टेशन पर बदहवाश हालत में उतरा था जवान: सोमवार को कोडरमा स्टेशन पर कृष्णपाल सिंह की हालत काफी खराब थी। उसने किसी तरह अपने परिजनों को फोन कर बताया कि उसे किसी ने कुछ खिला दिया है और वह ठीक महसूस नहीं कर रहा। फोन करने के कुछ देर बाद वह स्टेशन के बाहर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने तत्काल उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से गंभीर हालत में उसे कोडरमा सदर अस्पताल भेजा गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की जानकारी मिलते ही रांची कैंट से सेना के कई अधिकारी कोडरमा पहुंचे। पुलिस की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। अब जवान के पार्थिव शरीर को सैन्य सम्मान के साथ उसके पैतृक गांव मंदसौर भेजा जा रहा है।

संत तेरेसा चर्च में नकाबपोश डकैतों ने की लूटपाट, पादरियों को पीटा

सिमडेगा : बोलबा प्रखंड के समसेरा स्थित संत तेरेसा चर्च में देर रात करीब 1:30 बजे नकाबपोश डकैतों ने लूटपाट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चार से पांच की संख्या में आए बदमाशों ने पहले चर्च परिसर में बने पादरियों के आवास में घुसकर हथियार के बल पर लूट की कोशिश की। विरोध करने पर तीन पादरियों को लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा और उन्हें बांधकर एक कमरे में बंद कर दिया।

घटना में घायल फादर इग्नासियुस टोप्पो, फादर अगुस्टीन डुंगडुंग और फादर रोशन सोरेंग को पहले बोलबा अस्पताल और फिर सिमडेगा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। तीनों की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। पादरियों ने बताया कि डकैत तिजोरी की चाबी मांग रहे थे और चाबी नहीं देने पर उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उन्होंने तिजोरी तोड़कर चर्च, स्कूल और पल्ली से करीब आठ लाख रुपये लूट लिए। डकैत ओड़िया भाषा में बात कर रहे थे और कट्टा व भुजाली जैसे हथियारों से लैस थे।

घटना में घायल फादर इग्नासियुस टोप्पो, फादर अगुस्टीन डुंगडुंग और फादर रोशन सोरेंग को पहले बोलबा अस्पताल और फिर सिमडेगा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

न्यूज ब्रीफ

20 - 25 दिन से खराब है ट्रांसफर्मर, अंधेरे में रहने को विवश लोग

मुरीः गरमी से लोग बेहाल हैं। उपर से सिंगपुर में है 20-25 दिन से ट्रांसफर्मर खराब है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रांसफर्मर बनाने के नाम पर सबसे चन्दा उठा कर खर्चा लिया जाता है पर उसका भी अता पता नहीं है । रात में भी बगैर लाइट रह रहे हैं सभी लोग। इस समस्या के लिए कोई भी पंचायत प्रतिनिधि आगे नहीं आ रहे हैं। हिण्डाल्को भी ठंड में मुरी में कम्बल वितरण करने जाती है पर आज वही लोग बिजली की समस्या से परेशान हैं ,लेकिन हिण्डाल्को को कोई मतलब नहीं है। नेता वोट लेने डोर टू डोर पहुंचते हैं पर कोई भी भैया नेता या बड़ा नेता बिजली की समस्या होने पर पूछने तक नहीं आता है। अभी सांसद के तरफ से चौक चौराहों पर हाईलाइट मास्क बल्ब लगाने का काम की घोषणा हुई है। पर ट्रांसफर्मर खराब है ।

उपायुक्त ने किया वेयर हाउस का निरीक्षण

चतरा : भारत निर्वाचन के तय मानकों के आधार पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कीर्तिश्री ने त्रैमासिक ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा के पैमाने, सीसीटीवी कैमरा, जवानों की तैनाती समेत अन्य का क्रमवार जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उनके साथ मौजूद रहे। उपायुक्त ने वेयर हाउस की सुरक्षा में तैनात जवानों को पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वेयरहाउस की सुरक्षा में कोई भी कोताही ना हो।वियर में लगे सीसीटीवी कैमरों के संबंध में जानकारी लेते हुए सीसीटीवी कैमरों का बैकअप रखने और समय-समय पर रिकॉर्डिंग चेक करने का भी निर्देश दिए गए।निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि समेत अन्य सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

बीडीओ ने विभिन्न राजनीतिक दल के प्रखंड अध्यक्षों के साथ की बैठक

गिद्धौर (चतरा): प्रखंड कार्यालय कक्ष में बीडीओ राहुल देव ने प्रखंड के मान्यता प्राप्त विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रखंड अध्यक्षों के साथ सोमवार को बैठक की। बैठक में विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्य के तहत प्री रिविजन एक्टिविटी पर जानकारी दिया।साथ ही प्रखंड के जिस मतदान केंद्र में 1200 से अधिक मतदाता है,वैसे मतदान केंद्र के मतदाताओं को नजदीक वाले मतदान केंद्र में मर्ज करने पर विचार किया।बैठक में जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा,राजद प्रखंड अध्यक्ष कमलेश रज्जक, बीपीआरओ दिगम्बर पांडेय समेत अन्य मौजूद थे।

मुख्य डाकघर के प्रांगण में एक दिवसीय पीएलआई आरपीएलआई की बैठक

चतरा : मंगलवार को चतरा मुख्य डाकघर के प्रांगण में डाक अधीक्षक एवं डीडीएम की अध्यक्षता में पीएलएआरपी एलआई की बैठक आयोजित की गई। बैठक में चतरा जिला के अंतर्गत सभी शाखा डाकघर पाल के कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्य रूप से आरपीएलआई, पीएलआई, सुकन्या आरडी एवं एसबी या सब आयोजन को खोलने पर जोर दिया गया। बैठक में उपस्थित डाक निरीक्षक ऋषिकांत सिंह, भानु सिंह, मनीष कुमार गुप्ता, सुषमा कुमारी, ओवरसीज सहदेव राम,मंजय सिंह, सरस्वती कुमारी, जयहिंद, अरुण एवं डाक घर कर्मी सभी उपस्थित थे।

भाजपा सरकार के 11 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

गिद्धौर(चतरा)ः प्रखंड मुख्यालय के बटेश्वर शिव मंदिर परिसर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के 11 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष कपिल कुमार तथा संचालन उपप्रमुख सह भाजपा नेता प्रीतम यादव ने किया।कार्यशाला में भाजपा पार्टी जिला महामंत्री मृत्युंजय सिंह मुख्य रूप से मौजूद थे।इस दौरान महामंत्री मृत्युजंय सिंह ने बताया कि मोदी सरकार के नेतृत्व में विकसित भारत का अमृत काल सेवा,सुशासन, गरीब कल्याण के उत्थान किया है।साथ ही मोदी सरकार के 11 वर्ष गौरवपूर्ण होने से सरकार की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया।साथ ही इस अवसर पर प्रखंड के विभिन्न गांवों में वृक्षारोपण,एक पेड़ मां के नाम,सेमिनार आयोजित समेत अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। अवसर पर कार्यशाला आयोजित कि गई है।

झारखंड में अनुसूचित जाति समुदाय के विकास पर कांग्रेस करेगी मंथन, राज्यस्तरीय बैठक कल

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : झारखंड में अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के सामाजिक-आर्थिक उत्थान को लेकर राज्य कांग्रेस एक व्यापक योजना तैयार करने जा रही है। इस दिशा में पहला बड़ा कदम 11 जून को होगा, जब पार्टी की ओर से राज्य स्तरीय बैठक बुलाई गई है। यह जानकारी सोमवार को झारखंड के वित्त मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधाकृष्ण किशोर ने प्रेस को संबोधित करते हुए दी।

एससी समुदाय की स्थिति चिंताजनक, नई रणनीति की जरूरत : किशोर ने कहा कि झारखंड में अनुसूचित जातियों की आबादी लगभग 50 लाख है, लेकिन आज भी उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है। उन्होंने बताया कि भले ही राज्य का प्रति व्यक्ति आय आंकड़ों में 1.05 लाख रुपये प्रतिवर्ष बताया जा रहा है, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि गरीब तबके और एससी समुदाय की औसत आय इससे बहुत कम लगभग 60,000 रुपये सालाना ही है। उन्होंने कहा कि यह समय गंभीर विमर्श का है। अनुसूचित जाति समुदाय को सिर्फ वादों से नहीं, बल्कि ठोस योजनाओं और नीतियों के जरिए सशक्त बनाया जाना चाहिए।

वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में होगा रणनीतिक संवादः 11 जून को होने वाली बैठक में कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू, सह-प्रभारी डॉ. बेला प्रसाद, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम और झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश सहित कई वरिष्ठ नेता और एससी समुदाय के कार्यकर्ता शामिल होंगे। बैठक का उद्देश्य राज्य में अनुसूचित जातियों के सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास के लिए एक ठोस रोडमैप बनाना है, ताकि दीर्घकालिक सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

बीजेपी सरकार पर लगाया आरोप : किशोर ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने अनुसूचित जाति समुदाय को केवल राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल किया, लेकिन उनके हित में कोई ठोस काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने तो सलाहकार परिषद और आयोग की स्थापना की थी, लेकिन उसे कभी क्रियाशील नहीं बनाया। वह संस्थाएं केवल कागजों तक सीमित रह गईं।

उन्होंने बताया कि मौजूदा इंडिया गठबंधन सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है। इसी बजट में अनुसूचित जाति समुदाय के लिए एक सक्रिय सलाहकार परिषद स्थापित करने की घोषणा की गई है, जो जनजातीय सलाहकार परिषद की तर्ज पर कार्य करेगी। साथ ही एससी आयोग को भी जल्द ही कार्यशील बना दिया जाएगा।

सृजन कार्यक्रम का हुआ समापन

मेट्रो रेज संवाददाता

मुरी : सिल्ली प्रखंड कांग्रेस कमिटी द्वारा संगठन सृजन 2025 की सफलता के लिए प्रखंड स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया।। बैठक प्रखंड कांग्रेस कार्यालय मेन रोड सिल्ली में प्रखंड अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो की अध्यक्षता में की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा नव नियुक्त प्रखंड कांग्रेस पदाधिकारियों को नियक्ति पत्र दिया गया। जिसमें सभी समुदाय के लोगों को प्रखंड कमिटी में शामिल किया गया। मौके पर रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस उपाध्यक्ष नगेंद्र नाथ गोस्वामी, जिला सचिव नागेश्वर महतो, प्रखंड कांग्रेस उपाध्यक्ष निशाकर महतो, मनीराम दास, महासचिव मंजूर मोमिन, भागीरथ महतो, सैय्यद कमर आलम, रामु मोदक, श्रीप्रसाद बड़ाईक, आशा

देवी, प्रकाश मुंडा, रामपद मुंडा, मो. कलाम, सिल्ली पश्चिमी मंडल अध्यक्ष गुहिराम महतो, रमजान अंसारी, समसेर आलम, मोहताब अंसारी, स्फीरुद्दीन अंसारी, सिल्ली विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष विकास रजक, रोहित मुंडा, अल्पसंख्यक सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष शाहबुद्दीन अंसारी, साकीररुद्दीन अंसारी, तेलेस्फोर मिंज, खलीलुर रहमान, दशरथ कुम्हार, बिंदेश्वर महतो, राजकिशोर महतो, बालेश्वर वेदिया, लखिन्द्र बड़ाईक, मुख्तार आलम, घासीराम पातर, दीपक कर, मोहन उपाध्याय, सदानंद सोनार, सोशल मीडिया के देवाशिष दत्ता, वासुदेव महतो, इत्यादि कांग्रेस जन बैठक में शामिल हुए।

बंधुबांध जंगल में संदेहास्पद स्थिति में मिला युवक का शव, फैली सनसनी

मेट्रो रेज संवाददाता

चतराः हंटरगंज थाना क्षेत्र के मीरपुर पंचायत अन्तर्गत शेरपुर के बंधुबांध जंगल में सोमवार की अहले सुबह संदिग्ध स्थिति में एक युवक की लाश मिली है। युवक के शरीर में चोट के निशान होने से परिजनों के द्वारा हत्या की आशंका व्यक्त की जा रही है। फिलहाल पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद युवक की मौत के कारणों का पता चल पाएगा।हंटरगंज थाना क्षेत्र के शेरपुर निवासी बसंत यादव चारवाहा अपने मवेशी को लेकर चराने हेतु बंधुबांध जंगल गया हुआ इसी दौरान उन्हें तेज दुर्गंध आया जब वह सामने देखा तो एक युवक का शव है चारवाहा बसंत ने तुरन्त फोन के माध्यम से इसकी सुचना

मीरपुर पंचायत मुखिया प्रतिनिधी महेन्द्र उजाला को दी । मुखिया प्रतिनिधी ने इसकी सुचना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे ।और शव का पंचनामा करवाई कर पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर भेज दिया है। थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि युवक की पहचान बिहार के गया जिला के गुरुवा थाना क्षेत्र अंतर्गत राजन गांव निवासी ब्रह्मदेव यादव का 30 वर्षीय पुत्र जीतन यादव के रूप में हुई है,वह टेंपू चालक है । पुलिस ने मृतक के पास से एक गमछा, टेंपू और एक मोबाइल बरामद की है। बताया जाता है कि मृत युवक अपने पत्नी से झगड़ कर शनिवार की सुबह अपने घर से निकला था। सोमवार की सुबह उसका शव बंधुबांध जंगल के पास मिला।

चतरा के संघरी घाटी में भीषण सड़क हादसा

डिस्क ब्रेक फेल होने से दो ट्रकों में टक्कर, चालक घायल

मेट्रो रेज संवाददाता

चतरा : सोमवार की देर रात सदर थाना क्षेत्र के संघरी घाटी में भीषण सड़क हादसा हो गया।हादसे में डिस्क ब्रेक फेल हो जाने दो ट्रकों की आमने सामने से आपस में टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रक के परखच्चे उड़ गए। वहीं पीछे से आ रही एक अन्य ट्रक भी अनियंत्रित होकर पलट गया।जिससे उसमें रखा स्टील का सरिया बिखर गया। दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है,दो ट्रक चालकों को हल्की चोट लगी है। बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पत्रकारो से बात करते हुए राहगीरों ने सांसद विधायक से ढलान वाली घाटी को ऊंचा करने की मांग की है। कहा कि घाटी में आए दिन दुर्घटना होती हैं,इन दुर्घटनाओं में कई लोगों की जान चली गई हैं। सांसद और विधायक को संसद और विधानसभा में बात उठानी चाहिए।

बिरसा कॉलेज में मना बिरसा मुंडा का शहादत दिवस

मेट्रो रेज संवाददाता

खूंटी : बिरसा कॉलेज, खूंटी में भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रभारी प्राचार्या जे. कीड़ों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और उनके द्वारा स्थापित मूल्यों पर चर्चा की गई। प्राचार्या ने भगवान बिरसा के मूल्यों को अपनाने का किया आह्वान।

प्रभारी प्राचार्या जे. कीड़ों ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के मूल्यों को अपनाना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा, बिरसा मुंडा ने अपने जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया था और उससे कभी विचलित नहीं हुए। उन्होंने न केवल आदिवासी समाज और संस्कृति को बचाने का प्रयास किया, बल्कि एक नए समाज के निर्माण की नींव भी रखी।

डॉ. अभिषेक कुमार ने भगवान बिरसा का ऐतिहासिक महत्व बताया: इतिहास विभाग के प्रोफेसर डॉ. अभिषेक कुमार ने बिरसा मुंडा के ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 1940 के कांग्रेस अधिवेशन में पहली बार बिरसा द्वार नामकरण कर उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई गई। उन्होंने यह भी कहा कि बिरसा

कॉलेज, खूंटी का नामकरण शायद किसी सरकारी संस्थान में पहली बार बिरसा मुंडा के नाम पर किया गया हो।

डॉ. सुधांशु शर्मा ने कहा , बिरसा केवल स्वतंत्रता सेनानी नहीं, बल्कि महान सुधारक थे।

कार्यक्रम के संचालक डॉ. सुधांशु शर्मा ने कहा कि बिरसा मुंडा को केवल एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में देखना उनके व्यक्तित्व का एक पक्ष ही है। उन्होंने कहा, ₹वे एक महान सामाजिक सुधारक थे, जिनका योगदान विश्वस्तर के समाज सुधारकों के बराबर है।

श्री राजकुमार गुप्ता ने बताया खूंटी का भगवान बिरसा मुंडा से गहरा नाता है।

श्री राजकुमार गुप्ता ने बिरसा मुंडा के नैतिक मूल्यों को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि खूंटी में जन्म लेना एक सौभाग्य की बात है। उन्होंने खूंटी क्षेत्र में प्रचलित बिरसा मुंडा से जुड़ी लोकगाथाओं का भी जिक्र किया।

विद्यार्थियों ने भी रखे अपने विचार।

इस अवसर पर डॉ. काली मुंडु, डॉ. सुशील रंजन, डॉ. रेशमा, डॉ. संध्या, डॉ. प्रियंका, डॉ. अंजुलता के साथ-साथ विद्यार्थियों खुशबू राज, विष्णु गुप्ता और तमन्ना ने भी अपने विचार साझा किए। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बावजूद कार्यक्रम में विद्यार्थियों की भारी संख्या उपस्थित थी। इस कार्यक्रम के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के विचारों और संघर्ष को याद किया गया तथा उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

राजद के सांगठनिक चुनाव को लेकर गुटबाजी चरम पर

चार प्रखंडों में अलग अलग गुटों ने बना दिए दो -दो प्रखंड अध्यक्ष

जिलाध्यक्ष चुनाव को लेकर दोनों गुटों के बीच टकराव की स्थिति

पूर्व मंत्री निवर्तमान जिलाध्यक्ष को दूबारा बनाना चाह रहे हैं अध्यक्ष, दूसरा खेमा कर रहा विरोध

मेट्रो रेज संवाददाता

चतराः राष्ट्रीय जनता दल का सांगठनिक चुनाव चल रहा है। चुनाव में गुटबाजी चरम पर पहुंच गया है। गुटबाजी के केंद्रबिंदु में झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता हैं। सत्यानंद भोक्ता अपने हिसाब व पंसद से अपने लॉबी के लोगों को प्रखंड व जिलाध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाना चाहते हैं। जबकि राजद के पुराने व समर्पित कार्यकर्ता खुलकर इसका विरोध कर रहे हैं। ऐसे कार्यकर्ता ना सिर्फ पूर्व मंत्री के निर्णय का विरोध कर रहे हैं बल्कि पार्टी के प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर के नेताओं को यहां हो रहे हर गतिविधियों की जानकारी भी उपलब्ध करा रहे हैं।

गुटबाजी ऐसी कि चार प्रखंडों में बना दिए गए दो दो प्रखंड अध्यक्ष सांगठनिक चुनाव में गुटबाजी ऐसी हो रही है कि 12 प्रखंड वाले चतरा जिले में चार प्रखंडों में दो दो प्रखंड अध्यक्ष बना दिए गए हैं। इन प्रखंडों में चतरा ग्रामीण, हंटरगंज, कुंदा व मयूरहंड प्रखंड शामिल है। हंटरगंज प्रखंड में पूर्व मंत्री गुट ने देवलाल यादव को

प्रखंड अध्यक्ष बनाया है तो दूसरे गुट ने पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अशोक यादव को फिर से प्रखंड अध्यक्ष घोषित किया है। इसी तरह कुंदा प्रखंड में पूर्व मंत्री के गुट ने बैजनाथ यादव को प्रखंड अध्यक्ष बनाया है, जबकि दूसरे गुट ने लालू यादव को प्रखंड अध्यक्ष बनाया है। चतरा ग्रामीण प्रखंड में पूर्व मंत्री गुट ने मनोज रवानी को प्रखंड अध्यक्ष बनाया है जबकि दूसरे गुट ने केदार भुइंया को प्रखंड अध्यक्ष बनाया है। इसी तरह मयूरहंड प्रखंड में पूर्व मंत्री गुट ने जमील अख्तर को प्रखंड अध्यक्ष बनाया है जबकि दूसरे गुट ने महाराज गुट को प्रखंड अध्यक्ष बनाया है।

अपने पॉकेट का संगठन रखना चाहते हैं पूर्व मंत्री : प्रदेश सचिव राजद के गुटबाजी पर राजद के पुराने कार्यकर्ता मुखर होकर विरोध जता रहे हैं। प्रदेश सचिव योगेंद्र यादव ने कहा कि पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता स्वार्थ की राजनीति कर संगठन को बर्बाद करने पर तुले हैं। वह हमेशा पॉकेट का प्रखंड व जिलाध्यक्ष रखना चाहते हैं। पूर्व मंत्री निवर्तमान जिलाध्यक्ष नवल किशोर यादव को फिर से जिलाध्यक्ष बनाना चाहते हैं। जबकि दो बार जिलाध्यक्ष रहने के बाद भी संगठन के हित के लिए कोई काम नहीं किया। निवर्तमान जिलाध्यक्ष ने ना तो आज तक किसी कार्यकर्ता को मान सम्मान दिया और ना ही संगठन का विस्तार किया। पूर्व मंत्री के पास गणेश परिक्रमा कर नवल किशोर फिर से जिलाध्यक्ष बनने की चाहत रख रहे हैं। जिसका कार्यकताओं ने विरोध कर दिया है। चतरा में चल रहे गुटबाजी से प्रदेश व केंद्रीय नेतृत्व को अवगत कराया गया है।

गुटबाजी के कारण अब तक जारी नहीं हुआ वोटर लिस्टः चतरा जिले में छह से 11 जून तक जिलाध्यक्ष का चुनाव करा लिया जाना था। लेकिन प्रखंड अध्यक्षों के चुनाव में ही गुटबाजी इतना चरम पर पहुंच गया कि जिलाध्यक्ष के चुनाव के लिए अब तक वोटर लिस्ट ही जारी नहीं हो पाया। जिलाध्यक्ष के चुनाव के लिए अब मात्र दो दिन का समय रह गया है लेकिन अब तक चुनाव को लेकर तिथि की भी अधिसूचना जारी नहीं हो पाई है।

उपायुक्त के निदेर्शानुसार की जा रही है खराब चापानलों की मरम्मत

रांची जिला के कुल-07 प्रखंडों में खराब कुल 1614 चापानल की मरम्मत की गयी

मेट्रो रेज

रांची: उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के निदेर्शानुसार रांची जिला के ग्रामीण क्षेत्र में खराब पड़े चापानलों की मरम्मती का कार्य किया जा रहा है।

उपायुक्त राँची के पास आए चापानल की शिकायत, मुखिया के पास सीधे प्राप्त शिकायत, एप के माध्यम से प्राप्त शिकायत एवं अबुआ साथी से प्राप्त शिकायत

पर कार्रवाई करते हुए चापानल की मरम्मति की गई।

जिसमें दिनांक-11 मार्च से 31 मई 2025 को रांची जिला के कुल-07 प्रखंडों- अनगड़ा-296, ओरमांझी-297, सिल्ली -214, बुंडू- 158, सोनाहातु-211, राहे-197, तमाड़-241 कुल-1614 प्रखंड में खराब पड़े चापानल की मरम्मती की गई।

आपको बताएं कि उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, मंजूनाथ भजंत्री ने गर्मी में लोगों को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़े इसे लेकर जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में खराब पड़े चापानलों की जल्द से जल्द मरम्मती के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त द्वारा कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, पूर्वी एवं पश्चिमी को इस संबंध में विशेष दिशा- निर्देश दिया गया है। साथ ही शहरी क्षेत्र में पानी टैंकर से प्रभावित इलाकों में जलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश भी मंजूनाथ भजंत्री द्वारा दिया गया है।

पुलिस ने किया बाइकर्स का बाइक जब्त

मेट्रो रेज

रांची: शहर में तेज रफ्तार से तेज बाईक चालने वालो के चलते कई लोगों की जान जा चुकी है तो कई लोग बड़े हादसे का शिकार हो चुके हैं। आये दिन इन बाइकर्स के चलते राहगीरों को खासी परेशानी उठानी पड़ती है। ऐसे ही बाइकर्स पर नकेल कसने के लिए सदर थाना की पुलिस ने बड़ी कारवाई की है पुलिस की इस मुहिम में अब तक दर्जनों बाईक जब्त किया गया है थाना प्रभारी कुलदीप के नेतृत्व में सदर थाना क्षेत्र से बड़ी संख्या में बाइक जब्त की गई है।

रांची पहुंचीं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी बाबूलाल मरांडी ने किया स्वागत

संवाददाता

रांची: पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी आज झारखंड दौरे पर हैं। स्मृति ईरानी मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर रांची में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने आईं हैं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी ने पुस्तक भेंट कर उनका स्वागत किया। मौके पर भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र राय और महामंत्री आदित्य साहू भी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में शामिल होंगी स्मृति ईरानी: झारखंड भाजपा ने बताया कि रांची के मेन रोड में स्थित चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति प्रांगण में विकसित भारत की मजबूत नींव और सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के 11 वर्षों को समर्पित मोदी सरकार की ऐतिहासिक यात्रा पर आधारित दो दिवसीय समारोह का भव्य आयोजन हुआ। पूर्व केंद्रीय मंत्री इसी आयोजन में शिरकत करने रांची पहुंची हैं। भाजपा ने कहा कि ह्व यह सिर्फ उत्सव नहीं, राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का संकल्प है।

एमएस धोनी आईसीसी हॉल ऑफ फेम में हुए शामिल

नई दिल्ली : दिग्गज भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज और पूर्व कप्तान एमएस धोनी को प्रतिष्ठित आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। लंदन में एक विशेष कार्यक्रम के दौरान अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की कि पूर्व विश्व कप विजेता भारतीय कप्तान उन 7 दिग्गज खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें इस विशिष्ट लिस्ट में शामिल किया गया।

दबाव में अपने शांत स्वभाव और बेजोड़ कौशल के लिए मशहूर, एमएस धोनी की खेल के सबसे महान फिनिशर, लीडर और विकेटकीपर के रूप में विरासत को आईसीसी क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल करके सम्मानित किया गया है. क्ळउ के बयान में कहा गया है, 'धोनी सभी फॉर्मेट में विकेटकीपिंग के मामले में अपने समय से आगे थे, लेकिन शायद उन्होंने सफेद गेंद के खिलाफ सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जब वे अंतिम ओवरों में रन चेज करने की अपनी काबिलियत के लिए जाने जाते थे'.

यह भारतीय महान खिलाड़ी तीनों आईसीसी सफेद गेंद टूर्नामेंट जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं, जिन्होंने 2007 में उद्घाटन आईसीसी टी20 विश्व कप, 2011 में 50 ओवर के विश्व कप और 2013 में क्ळउ चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को सफलता दिलाई. धोनी ने सभी फॉर्मेट में कुल 17,266 रन बनाए, स्टंप के पीछे 829 आउट किया और 538 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला।

आज से बदलेगा झारखंड का मौसम

15 जून तक तेज हवाओं के साथ भारी बारिश, येलो अलर्ट जारी

रांची : झारखंड का मौसम एक बार फिर से अपना रुख बदलने वाला है। आज से राजधानी रांची समेत विभिन्न जिलों में झमाझम बारिश होगी। मौसम विभाग के अनुसार 15 जून तक राज्यभर में भारी बारिश की संभावना है। इस दौरान राज्यभर में तेज हवा और वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 40-50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है।

आज यहां होगी झमाझम बारिशः मौसम विभाग के अनुसार आज गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा और हजारीबाग के अलावा अन्य सभी जिलों में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश होगी। इस दौरान वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। हालांकि गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा और हजारीबाग में भी हल्की बारिश हो सकती है।

13 से 15 जून तक भारी बारिश की आशंकाः कल 11 जून से राज्यभर में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होगी। 13 जून से मौसम का मिजाज और भी अधिक खराब हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार 13 से 15 जून तक राज्यभर में भारी बारिश की आशंका है। इस दौरान राज्यभर में तेज हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग ने वज्रपात को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

11000 वोल्ट तार की चपेट में आने से किसान की दर्दनाक मौत

ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप

गुमला : जिले में उस वक्त हड़कंप मच गया जब 11000 वोल्ट के तार के संपर्क में आने के कारण एक किसान की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मामला जिले के सिसई थाना क्षेत्र के शिवनाथपुर का है। बताया जा रहा है कि मति गोप अपने खेत में हल चलाने के लिए गया

हुआ था। इस दौरान 11000 वोल्ट का बिजली का तार की चपेट में आने के कारण किसान की मौत हो गई। कहा जा रहा है कि एक हफ्ते से यह 1000 वोल्ट का बिजली का तार गिरा हुआ था। बिजली विभाग के स्थानीय विद्युत कर्मी को बिजली के तार गिरने की जानकारी दी गयी थी। बावजूद इसके तार नहीं हटाया गया था। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

अधेड़ महिला की हत्या के सिलसिले में 2 आरोपी गिरफ्तार

पलामूः जिले में 55 वर्षीय महिला की हत्या के सिलसिले में बीते सोमवार को 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़िता विमला देवी की 16 मई को छतरपुर थाना क्षेत्र के बाहाला के बाघमारा टोला स्थित उसके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

पुलिस अधीक्षक रेशमा रमेशन ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान गौतम कुमार (23) और उसके रिश्तेदार विनोद भुइयां (35) के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान गौतम ने पुलिस को बताया कि विमला देवी के साथ उसका भूमि विवाद भी था और उसके द्वारा किए गए जादू-टोने के कारण उसके परिवार की हालत ठीक नहीं थी। उन्होंने कहा, ह्वह्वइसके अनुसार गौतम के आग्रह पर विनोद ने हत्या के लिए साकेंद्र उरांव को सुपारी दी और उसे बतौर अग्रिम 50,000 रुपये दी। सौदा 80,000 रुपये में तय हुआ और शेष राशि काम पूरा होने के बाद दी जानी थी।"

रेशमा रमेशन ने कहा, घटना की रात साकेंद्र अपने दो साथियों के साथ मोटरसाइकिल पर विमला देवी के घर गया और सोते समय उसकी हत्या कर दी। एसपी ने बताया कि साकेंद्र और उसके एक साथी याद अली को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है तथा दूसरे साथी की तलाश जारी है।

ऑपरेशन सिंदूर के सफल कामयाबी के बाद घर लौटे बीएसएफ जवान, कहा-

हम लोगों ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया

धनबादः ऑपरेशन सिंदूर के सफल कामयाबी के बाद गोमो लौटे बीएसएफ बटालियन 120 के जवान राजेश कुमार पासवान 35 वर्षीय को स्थानीय प्रशासन द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। बताते चलें कि 10 मई को पाकिस्तान की ओर से सीजफायर उल्लंघन और गोलीबारी में राजेश कुमार घायल हो गए थे जिसे सैन्य अस्पताल सतवार में भर्ती कराया गया था, 15 दिनों से अधिक समय तक अस्पताल में रहने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिली जिसके बाद वह गोमो अपने ससुराल पहुंचे जहां वह कई सालो से रह रहे हैं। गोमो पहुंचने पर स्थानीय प्रशासन तोपचांची अंचल अधिकारी संजय कुमार सिंह, तोपचांची इंस्पेक्टर असीम कमल टोपनो, गोमो हरिहरपुर थाना प्रभारी राहुल कुमार झा, विधायक प्रतिनिधि जगदीश चौधरी, भाजपा नेता हीरामन नायक, विकास महतो, सीवाईएम एसएन झा, पूर्व सीवाईएम बीसी मंडल, तोपचांची ब्लॉक के बड़ा बाबू महेंद्र रवानी एवं मुखिया प्रतिनिधि रवि सिंह, कपिल सिंह सहित सेंकी गुप्ता, श्रीकांत मंडल, आदि गणमान्य लोगों द्वारा गोमो स्टेशन पर गाजे बाजे से साथ फूल माला पहनकर एवं अंग वस्त्र देकर जोरदार स्वागत किया गया तथा जवान के ससुराल काली पाड़ा तक भारत माता की जय, वंदे मातरम के उद्घोष के साथ पहुंचाया गया जहां एक समान समारोह आयोजित कर स्थानीय महिलाओं सहित अन्य लोगों द्वारा भी जवान राजेश कुमार को सम्मानित किया गया। इस दौरान जवान ने बताया कि हम लोगों ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जिसमें पाकिस्तान के काफी जवान मारे गए हैं और उनका काफी नुकसान हुआ है। मैं घायल होने के बाद भी उन लोगों से लड़ता रहा और उन लोगों को खदेड़ कर मार गिराया गया। जवान की पत्नी किरण देवी ने बताया कि मैं काफी गौरव महसूस कर रही हूं कि मैं एक जवान फौजी की पत्नी हूं और मेरे पति पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब देकर स्वस्थ होकर घर लौटे। जवान राजेश कुमार का जन्म स्थान सासाराम, जिला रोहतास, थाना दिनारा के रहने वाले हैं। उनके पिताजी का नाम राधिका राम एवं माता जी का नाम धनरोजो देवी, पत्नी किरण देवी है एवं उनके दो पुत्र है। फिलहाल वे गोमो में अपने ससुराल में रह रहे हैं, उनके ससुर जी का नाम स्वर्गीय राम प्रसाद राम है। उक्त जवान 12 वर्षों से बीएसएफ जवान के पद पर कार्यरत है।

झारखंड अलग राज्य का निर्माण जिस उद्देश्य से हुआ वह अब तक अधूरा : चंपई सोरेन

एक बार फिर से जन आंदोलन शुरूआत करने की जरूरत

रांचीः पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा नेता चंपई सोरेन सोरेन ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर कोकर स्थित उनके समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि दी।

चंपई सोरेन ने कहा कि आज धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की शहादत दिवस है जो आज इस झारखंड की धरती में आदिवासी अस्मिता को बचाने में आदिवासी के सरना स्थल को बचाना ताकि सिरम टोली जैसा ना हो इसलिए हम आह्वान करते हैं जाग जाओ, आदिवासी जाग जाओ मूलवासी अपना रूढ़िवादी प्रथा को बचाने के लिए एक बार फिर से उलगुलान की जरूरत है क्योंकि झारखंड अलग राज्य बने 25 साल हो गए, लेकिन आज भी आदिवासी की जमीन लूटी जा रही।

चंपई सोरेन ने कहा कि आदिवासी का अस्तित्व खतरे में है। झारखंड में डेमोग्राफी बदल रहा है इसलिए आज हवन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य जिस उद्देश्य से हुआ वह अधूरा है फिर से एक बार जन आंदोलन शुरूआत करने की जरूरत है।

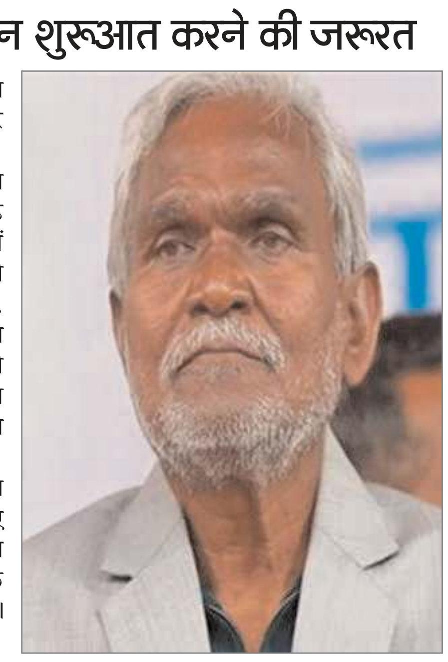

सकारात्मक ऊर्जा का स्त्रोत है रामचरितमानस : आरएन सिंह

मेट्रो रेज

रांचीः रामचरितमानस पढ़ने से मन-मस्तिष्क में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह सिर्फ एक धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि मानव जीवन का पथ-प्रदर्शक भी है। इसे पढ़ने से परम सुख की अनुभूति होती है।

हमारे भीतर धार्मिक-आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। धर्म के प्रति एक समझ पैदा होती है, जो जीवन पथ पर सफलतापूर्वक अग्रसर होते रहने में काफी सहायक है।

उक्त बातें एचईसी परिसर के सेक्टर तीन (धुर्वा) स्थित आवास संख्या बी-277 निवासी धार्मिक विषयों के ज्ञाता धर्मपरायण रविंद्र

नाथ सिंह (आरएन सिंह) ने अपने संदेश में कही। उन्होंने कहा कि धर्म-आध्यात्म का महत्व और रामचरितमानस में वर्णित प्रसंगों की महत्ता को समझें। इससे मानव जीवन की सार्थकता साबित होगी।

श्री सिंह ने कहा कि धर्म और आध्यात्म जीवन के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं, जो व्यक्ति को सही दिशा में आगे बढ़ने और सच्ची शांति प्राप्त करने में सहयोग करते हैं। इन दोनों के बीच घनिष्ठ संबंध है। जब हम धर्म और आध्यात्म को अपनाते हैं, तो हम अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में मोड़ सकते हैं।

धर्म और आध्यात्म हमें जीवन के उद्देश्य और लक्ष्य को समझने में मदद करते हैं। धर्म हमें नैतिकता और मानव मूल्य सिखाता है, जबकि आध्यात्म हमें आत्म-ज्ञान और परमात्मा के साथ जुड़ने का मार्ग दिखाता है। धर्म आध्यात्म के माध्यम से हम अपने जीवन को अर्थपूर्ण बना सकते हैं और सच्ची शांति प्राप्त कर सकते हैं।

श्री सिंह ने कहा कि रामचरितमानस न सिर्फ एक धार्मिक ग्रंथ है, बल्कि यह जीवन के मूल्यों और नैतिकता को भी सिखाता है। रामचरितमानस में वर्णित प्रसंग हमें जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताते हैं।

इसलिए हमें धर्म-आध्यात्म और रामचरितमानस के प्रसंगों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए और उनके अनुसार जीने का प्रयास करना चाहिए।

आत्मा क्या है?

आत्मा एक आध्यात्मिक और दार्शनिक अवधारणा है जो व्यक्ति के अस्तित्व के मूल को दर्शाती है। यह अमर और अविनाशी है। अंतरात्मा की आवाज हमें आत्म-जागरूकता प्रदान करती है जो हमें अपने विचारों, भावनाओं, और कार्यों के बारे में सूचित करती है।

आत्मा और अंतरात्मा की आवाज दोनों ही हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आत्मा हमें हमारे अस्तित्व के मूल को समझने में मदद करती है, जबकि अंतरात्मा की आवाज हमें सही और गलत के बीच अंतर करने में मदद करती है। अंतरात्मा की आवाज हमें अपने मूल्यों और सिद्धांतों के अनुसार जीने के लिए प्रेरित करती है और हमें आंतरिक शांति और संतुष्टि प्रदान करती है।

झारखण्ड सरकार, जिला कृषि कार्यालय, लोहरदगा
(कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड)

आम सूचना

पी0एम0कुसूम (फेज–बी) सोलर वाटर पम्पसेट योजना हेतु लोहरदगा जिला अंतर्गत किये गये आवेदन के अंतर्गत लाभुक अंशदान की राशि जमा कराने से संबंधित सूचना

जेडा द्वारा PM-KUSUM Component-B योजनान्तर्गत झारखण्ड राज्य में सिंचाई कार्य हेतु कृषकों को ऑफग्रिड सोलर पम्प के वितरण एवं अधिष्ठापन का कार्य वर्ष 2024–25 में किया जाना है, जिसके तहत लोहरदगा जिला से ऑनलाईन (www.pmkusum.jharkhsnd.gov.in) के माध्यम से आवेदन किया गया है।

किसानों को लाभुक अं दान के रूप में 2HP (AC&DC) सोलर पम्पसेट के लिये रू0 5000@&] 3HP (AC&DC) सोलर पम्पसेट के लिये रू0 7000/–, 5HP (AC&DC) सोलर पम्पसेट के लिये रू0 10000/– प्रति सोलर पम्प के लिये आवेदन की प्रक्रिया के तहत PM-KUSUM Portal, www.pmkusum.jharkhand.gov.in में लाभुक अंशदान की राशि Online Portal के माध्यम से जमा किया जाना है। इसके अलावा अन्य किसी वेवसाईट के माध्यम से आवेदन तथा लाभुक अंशदान जमा नहीं करना है।

जिन किसानों के द्वारा ऑनलाईन मोड से आवेदन किया जा चुका है, किन्तु निर्धारित लाभुक अंशदान की राशि अब तक जमा नहीं करायी गयी है उनको इस सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि दिनांक 12.06.2025 (गुरूवार) तक अपने आवेदन के विरूद्ध निर्धारित लाभुक अंशदान की राशि Online Portal (www.pmkusum.jharkhand.gov.in) के माध्यम से अवश्य जमा करा दें अन्यथा उक्त तिथि के बाद उनका आवेदन निरस्त कर दिया जायेगा और बाद में आवेदन से संबंधित किसी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।

जिला कृषि पदाधिकारी, लोहरदगा।

PR.NO.354554 Lohardaga(25-26):D

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

खत्म हुआ इंतजार

सोलह साल बाद जातिगत गणना के साथ सोलहवीं जनगणना-2027 दो चरणों में कराने का सरकार ने निर्णय लिया है। गृह मंत्रालय के अनुसार केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख व जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल व उत्तराखंड़ के बफीर्ले इलाकों में पहली अक्टूबर 2026 से इसकी शुरूआत होगी जबकि बाकी देश में इसकी प्रक्रिया एक मार्च, 2027 से चालू की जाएगी। जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 3के अनुसार जनगणना कराने की आवश्यक अधिसूचना आगामी 16 जून को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी। भारत की जनगणना, जनगणना अधिनियम,1948 और जनगणना नियम 1990 के प्रावधानों के अनुसार की जाती है। इससे पहले जनगणना 2011 में हुई थी जो 2021 में होनी थी। मगर कोविड़ महामारी फैलने के कारण नहीं की जा सकी। जनगणना के दौरान राष्ट्रीय आबादी रजिस्टर को अपडेट्ट करने के विषय में अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं है। इस सारी प्रक्रिया में तेरह हजार करोड़. रुपये से अधिक का खर्चा आने की उम्मीद है। जनगणना के दौरान खान- पान, पेयजल, बिजली, शौचालय, रेड़ियो व टेलीविजन के बारे में जानकारी ली जाएगी। गैस कनेक्शन/रसोई ईंधन, परिजनों की संख्या व मुखिया, घर की फर्श, दीवारें व छत की स्थिति भी पूछी जाएगी। जातिगत गणना को लेकर सरकार ने अचानक पैंतरा बदला है क्योंकि विपक्ष की लगातार मांग के बावजूद इसे दरकिनार किया जाता रहा है। पहली जनगणना में ब्रिटिश हुकूमत द्वारा 1881 के बाद से 1931 तक हर दस वर्ष में जातिगत आंकड़े. भी जारी किए जाते थे। 1941में ये आंकड़े. जारी नहीं किए गए थे। इसके बाद से सरकारें अनुसूचित जाति/जनजाति के ही आंकड़े. जारी करती रही हैं। जाति जनगणना का विरोध मरने वाले मानते हैं। इससे जातियों में दरारें पड़. सकती हैं। दूसरे पिछड़ों व अतिपिछड़ों की संख्या आधी आबादी से ज्यादा निकलती है तो इसका राजनीति और समाज पर गहरा असर हो सकता है। कहा जा सकता है। ब्राह्मणों/बनियों का दल कहलाने वाली भाजपा ने दूर की कौड़ी चलने की रणनीति बनाई है। बावजूद देशवासियों की असल स्थिति और आबादी की संख्या जानने का यह बेहतरीन तरीका है जिससे सरकार को स्पष्ट नीतियां और योजनाएं बनाने और कार्यान्वित करने में बहुत मदद मिलेगी। हालांकि इस प्रक्रिया में देरी का सरकार के पास कोई स्पष्टीकरण नहीं है।

क्यों रूठा खेत से पर्यावरण

सेब के पौधों के नीचे बंदर की बर्बरता के निशान उस बागबान से पूछें जिसकी फसल को जंगली जानवर तबाह कर देते हैं। निकली ये आहें हमारी ही जमीं की, हम समझते पर्यावरण चोरी हो गया। मजबूर किसान या बागबान आवारा पशुओं, वन्य प्राणियों या बंदरों से आजिज होकर अंततः अपने इर्द-गिर्द की हरियाली को ही रुखसत करता है। हिमाचल में पर्यावरणीय चेतना खेत के बजाय, जंगल में योद्धा है, जहां से निकल वन्य प्राणी या तो खेत खोद रहे हैं या फलोत्पादन की वजह रोक रहे हैं। हर फसल से मिट्टी का स्वास्थ्य पूछा जाता है, तो खेत से बहती हवा का रास्ता घर तक पूछा जाता। पूरी घाटियां कभी खेती के गीत गाती थीं, आज मानवीय प्रगति के नश्तर लिए कंक्रीट के जंगल उगा रही हैं। आश्चर्य है खेत को बंजर बनाने की प्रक्रिया को हमने पर्यावरण संरक्षण में नहीं समझा। पर्यावरण अनुकूल खेती तब होगी, अगर खेत आवारा पशुओं या बंदरों से बच जाएंगे। खाद में रसायन और झाड़ में कीटनाशक कम होंगे। पर्यावरण के प्रति जागरूकता का अर्थ धरती-परिवेश से जुड़ाव है, लेकिन हमारे जीवन से सामुदायिक भावना ही विलुप्त हो चुकी है। जीवन के प्रति हमारी संवेदना, घर के व्यक्तित्व में रिसाव और जीवनशैली में शहरीकरण की घुसपैठ से सब कुछ बदल गया। हम कभी पर्यावरण को अपनी दिनचर्या और परिवेश से रिश्ते में महसूस करते थे। अब न तो खेत हमारे करीब रहा और न ही खेत हरियाली के लायक रहा। भूमि सुधार कानून में सामाजिक उत्थान की परिकल्पना तो की, लेकिन अधिकारों की नई जंग में खेत का चरित्र बदल गया। मुजारों को मिली जमीन अब खेती की तपस्या के बजाय बिक्री का सामान हो गई। लैंड सीलिंग एक्ट ने वास्तव में खेत के आचरण की ही सीलिंग कर दी। राजनीति जो सोचती है, उसके विपरीत यथार्थ के प्रश्न संबोधित होते हैं। जहां से चारा मिलता था या जिस चरागाह में पशुधन को जीने का गुजारा मिलता था, वहां वनीकरण की कोंपलों में चीड़ के सख्त दरख्त ने, किसान के पशुओं से रिश्ते भी सख्त कर दिए। आधुनिकता और आधुनिक उपकरणों की सुविधा ने मिट्टी से हल छीन लिया, तो सारा पशुधन आवारा बन कर खेत को चरागाह मानने लगा। कभी नौतोड़ जमीनों का आबंटन इस शर्त पर हुआ कि लैंडलैस किसान फसल उगाएंगे, लेकिन ये जमीनें भी बिक कर पर्यावरण विरोधी हो गईं। पर्यावरण विरोधी हो गया गांव का घराट, क्योंकि इसके पत्थर नवनिर्माण में लग गए। जो राज्य बाहरी प्रदेशों से दूध आयातित करता हो, वहां पर्यावरणीय क्षति की तहजीब बन रही है। लोग खेतों को खेती से दूर रखकर पालतू पशुओं को भी डिपो का सस्ता राशन खिला रहे हैं। अब खेत तक नहीं आती कूहल, लेकिन पूरी बरसात जब आती है तो मिट्टी का क्षरण मांग करता है कि जल-पोषक तत्व प्रबंधन किया जाए। आश्चर्य यह कि पर्यावरण के नाम पर जंगल की वकालत में हमारी योग्यता की जमीन पर भी कोई मंजर न रहा। हम पराली तो नहीं, घास के लिए जंगल जलाते हैं। अब पुनः कोशिश है कि जैविक या प्राकृतिक खेती की सुगंध पर्यावरण में फैले। पांगी घाटी हो या लाहुल-स्पीति के खेत, वहां खेती से जुड़ा पर्यावरण मानवीय जीवन के वास्तविक आधार को पुष्ट करता है। हाइड्रोपोनिक्स व पारंपरिक मिट्टी आधारित खेती की तरफ मुड़ेंगे, तो घर आंगन तक पर्यावरण का सौहार्द आएगा। कृषि तथा बागबानी विश्वविद्यालयों के अलावा विभागीय कसौटियों में हर खेत में पर्यावरण सुरक्षा के इंतजाम करने होंगे। हिमाचल की वन नीति के साथ किसान और बागबान के खेत को जोड़ना होगा ताकि जंगल किसी भी तरह खेत और बागीचों को न डराए।

हर इवेंट का सियासी श्रेय लेने का नतीजा है बंगलूरू हादसा

हादसे को लेकर राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे को दोषी ठहरा कर हादसे पर राजनीति न करने का सुभाषित पेलती रहेंगी। हकीमत में उधर प्रशासन से लेकर आईपीएल की आयोजक बीसीसीआई तक ने पूरे आयोजन से पल्ला झाड़ लिया है। जिंदगी भर का दर्द सिर्फ उनके हिस्से में रहना है, जिनके युवा बेटे, बेटी, बहन- भाई इस भगदड़ में अपनी जान हमेशा के लिए गंवा बैठे।

अजय बोकिल

कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू में आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू (आरसीबी) की जीत का जश्न मातम में तब्दील हो गया और स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 11 निर्दोष लोगों की जानें चली गईं, इसके पीछे प्रशासनिक लापरवाही तो है ही, असल कारण खेल में मिली जीत को परोक्ष रूप से राजनीतिक विजय में तब्दील करने की घटिया सोच है।

कर्नाटक में फिलहाल कांग्रेस की सरकार है, लेकिन दुर्भाग्य से आज भारत में कोई भी राजनीतिक पार्टी इस निम्नस्तरीय सोच और उसे जल्द से जल्द राजनीतिक रूप से भुनाने की दूषित मानसिकता से मुक्त नहीं है। वरना कोई कारण नहीं था कि आईपीएल फाइनल के दूसरे ही दिन आनन- फानन में बिना समुचित प्रबंध और आयोजना के आरसीबी की विक्ट्री परेड निकाली जाए।

गनीमत थी कि पुलिस के इंकार के बाद वह रद्द हो गई और कार्यक्रम स्टेडियम में विजेता टीम के स्वागत तक सीमित हो गया। स्वागत भी ऐसा, जिसे स्वीकार कर अब आरसीबी टीम खुश होने के बजाए शर्मिंदा ज्यादा है।

आज राजनेताओं की संवेदनाएं कितनी कुंद हो चुकी है, यह इस बात का निकृष्ट उदाहरण है कि जब सारा देश मीडिया के माध्यम से जिस चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में कुचले मृत शरीरों और घायलों को निकाले जाते देख रहा था, वहीं स्टेडियम के भीतर आरसीबी टीम को मिली जीत की ट्रॉफी हाथों में उठाकर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. शिवकुमार गदगद हो रहे थे।

उसी दौरान राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया भी विजेता टीम के साथ फोटो सेशन करवा कर प्रसन्न थे। क्या सरकार के सूचना तंत्र ने सीएम और डिप्टी सीएम को बाहर घट रहे इस भयंकर हादसे की तत्काल सूचना नहीं दी होगी, क्या स्टेडियम के भीतर स्वागत करवा रहे खिलाड़ियों को भी बाहर हो रही भगदड़ की जरा भी भनक नहीं लगी होगी?

आज जब हर आदमी, हर दूसरे मिनट सोशल मीडिया चेक करने की लत से पीड़ित है, क्या तब स्टेडियम के अंदर मौजूद कोई भी व्यक्ति बाहर दम तोडते खेल प्रशंसको की पीड़ा से संवेदित नहीं था? कायदे से तो भगदड़ की पहली सूचना मिलते ही आयोजकों को तत्काल स्वागत समारोह रद्द कर हादसे में मृत लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त कर कार्यक्रम समाप्त कर देना चाहिए था। लेकिन ऐसा करने के बजाए कर्नाटक के डीसीएम सफाई दे रहे थे कि हादसे की जानकारी मिलने के बाद कार्यक्रम 10 मिनट में ही निपटा दिया गया?

लेकिन दस मिनट भी क्यों? इसका जवाब न तो कर्नाटक सरकार के पास है और न ही इसकी मूल आयोजक बताई जा रहे आरसीबी टीम की फ्रेचाइंजी कंपनी यूनाईटेड स्पिरिट्स लि. के पास है। हालांकि रात में कंपनी की ओर से मृतकों के प्रति शोक व्यक्त करने की औपचारिकता निभाई गई।

कई सवाल जिसके जबाव का इंतजार: सवाल यह भी उठ रहा है कि आरसीबी ने भले ही 18 साल बाद आईपीएल ट्रॉफी उठाई हो, लेकिन विजेता टीम का भव्य स्वागत करने की इतनी जल्दी क्या थी? बताया जा रहा है कि यह सब इसलिए किया गया कि आरसीबी फ्रेंचाइजी कंपनी सभी विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर इसे अपने पक्ष में मेगा इवेंट में तब्दील करना चाहती थी। दूसरे, टीम के चार विदेशी सदस्यों को स्वदेश लौटने की जल्दी थी, इसलिए भी ताबड़तोड़ तरीके से यह जश्न आयोजित किया गया।

चूंकि इस टीम के नाम के साथ बंगलूरू भी जुड़ा हुआ है, इसलिए इसे कन्नड अस्मिता और वर्चस्व के साथ जोड़ने का परोक्ष राजनीतिक प्रयोग भी हुआ। जबकि हकीकत में आरसीबी न तो किसी कन्नड व्यक्ति की कंपनी है और न ही टीम में कोई कन्नड खिलाड़ी है। मूलतः इस टीम की मालिक बैंक घोटाले में भगोड़े विजय माल्या के पास थी। विजय जरूर कन्नडिगा हैं, लेकिन बाद में उन्होंने यह कंपनी ब्रिटिश मल्टीनेशनल कंपनी जायंट डिएगो को बेच दी है। अब यूनाइटेड स्पिरिट्स उसी एमएनसी की सहायक कंपनी है। यही नहीं, इस टीम के 11 में से चार खिलाड़ी तो विदेशी हैं और बाकी 7 सात गैर कन्नड और गैर कर्नाटकी हैं। टीम की कप्तानी मप्र के रजत पाटीदार के पास है तो टीम के हीरों विराट कोहली दिल्ली के हैं।

कर्नाटक गौरव इवेंट हाइप: बावजूद इस हकीकत के यह माहौल बनाया गया कि यह जीत कर्नाटक की महाविजय है। ये हाइप बनाया गया कि आरसीबी टीम ने आईपीएल (जो अपने आप में पैसे का ही पूरा खेल है) ट्रॉफी जीत कर इतिहास रच दिया है। अघोषित रूप से इसमें अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आरसीबी द्वारा पंजाब किंग्स को हराने का सियासी आत्मिक सुख भी शामिल था।

आरसीबी और राज्य सरकार के इस कर्नाटक गौरव इवेंट हाइप में मीडिया भी बराबरी से हिस्सेदार था। लिहाजा यह तस्वीर पेंट की जाने लगी कि आईपीएल की जीत किसी अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफी जीतने से कमतर नहीं है। सोशल मीडिया में तो यह जीत पागलपन की तरह छा गई। यही कारण था कि बंगलूरू के अधिकांश युवा विजेता टीम और अपने नेताओं की एक झलक पाने के लिए भीड़ में कुचले जाने के लिए भी तैयार हो गए। यहां एक सवाल यह भी है कि जिन खिलाड़ियों को खेलते हुए महीने भर से लोग तकरीबन रोज टीवी पर देख रहे हैं, सोशल मीडिया पर उनके सारे कारनामे वायरल हैं, बावजूद इसके युवा सीधे उन्हें देखने के लिए इस तरह क्यों पगलाए रहते हैं? ऐसा कौन सा आकर्षण है, जो सेलेब्रिटी खिलाड़ी के करीब जाकर या उसे छूकर ही पूरा हो सकता है, जबकि पूरी विजेता टीम एक बंद बस में हाथ हिलाते गुजरने वाली थी। यानी बाहर से ज्यादा कुछ नहीं दिखना था, फिर भी तीन लाख से ज्यादा लोग, जिनमें ज्यादातर युवा थे, सब काम छोड़कर स्टेडियम के बाहर क्यों जमा हो गए? इनमे से कई तो पेड़ों पर चढ़कर और जिसे जहां जगह मिले वहां घुसकर खिलाड़ियों को देखना चाहता था। ऐसा पागलपन तो उस समय भी नहीं देखने को मिला था, जब भारत ने 1983 में पहली बार कपिलदेव के नेतृत्व में वन- डे वर्ल्ड कप जीता था। तब टीवी नया- नया आया ही था और सोशल मीडिया का अता पता नहीं था। हर भारतीय खुश था, लेकिन संयत भाव से। युवाओं की निर्बुद्ध दीवानगी के इस यक्ष प्रश्न का उत्तर शायद यही है कि सोशल मीडिया के गुलाम हो चुके युवा अपने चहेते स्टार के साथ या उसके अगल बगल, विचित्र मुद्राओंमें फोटो खिंचवा कर उसे जल्द से जल्द सोशल मीडिया में पोस्ट कर ज्यादा से ज्यादा लाइक्स और व्यूज की खयाली दुनिया के स्वर्गिक आनंद उपभोगना चाहते हैं। यह तकातीत ऐहिक दुनिया है। दुर्भाग्य से इन तमाम सोशल मीडिया वीरों में चंद लोगों को छोड़ दें तो कोई भी आज विराट कोहली या रजत पाटीदार बनने के लिए पसीना बहाना और अडिग साधना नहीं करना चाहता। क्योंकि उसमें मेहनत लगती है, मोबाइली जिंदगी को दूर रखना पड़ता है। जबकि वो एक फोटो खिंचवाकर ही क्षणभर में विराट बनने का क्षणिक सुख भोगकर ही संतुष्ट हैं। अजब और निरर्थक जिद का लोग हो रहे हैं शिकारः रील बनाने के लिए जान गंवाने का जोखिम उठाना, बिना सोचे समझे कहीं भी वीडियो बनाना और तुरंत सोशल मीडिया पर पापुलर हो जाने की अजब और निरर्थक जिद भी बंगलूरू हादसे का बड़ा कारण है।

आधुनिकता की दौड़ में पर्यावरण के उभरते खतरे

आज देश भर में युवा पीढ़ी अपना जन्मदिन और मैरिज एनिवर्सरी होटल और रेस्टोरेंट में मानते हैं। इस इस दिन सभी नागरिकों का दायित्व बनता है कि इस आधुनिकता की दौड़ को छोडकर अपने गांव में शिक्षा संस्थानों में या कार्यालयों में पौधा अवश्य लगाएं ताकि वह पर्यावरण को स्वच्छ और साफ–सुथरा रखने के लिए अनिवार्य हो और आपकी यादगार भी बनी रहे। दुनिया में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। इसी बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति पर खतरा बढ़ रहा है जिसे रोकने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस मनाने की शुरूआत हुई, ताकि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाए और प्रकृति को प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्रेरित किया जा सके। भारत भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर है।

प्रो मनोज डोगरा

सुरक्षित पर्यावरण ही सुरक्षित मनुष्य जीवन का आधार है। हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। विश्व के देश आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन इस राह में दिनोंदिन दुनियाभर में ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ गया है और इस तरह से लोग जीवन जी रहे हैं, जिससे पर्यावरण खतरे में है। इनसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ इनसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं, जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं, साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक की बात करें तो भारत को वैश्विक प्रकृति संरक्षण सूचकांक 2024 में 176वां स्थान प्राप्त हुआ है, यह भारत को 180 देशों में से सबसे कम रैंक वाले पांच देशों में से एक बनाता है, जोकि चिंताजनक है। वायु और जल प्रदूषण की दृष्टि से भारत के कई शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं, इस बात से कोई अनजान नहीं है। भारत कार्बन डाइऑक्साइड का एक बड़ा उत्सर्जक है, हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन विकसित देशों की तुलना में कम है।

पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से अधिनियम द्वारा इस कार्य को सांकेतिक किया गया है। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 लागू है जो पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को कानून के रूप में लागू करता है। भारत में पर्यावरण संरक्षण एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। एक ओर, पर्यावरण संरक्षण के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर पर्यावरण पर दबाव भी बढ़ रहा है। भारत को पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने प्रयासों को मजबूत करने और प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के लिए प्रभावी उपाय करने की आवश्यकता है क्योंकि सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल विश्व पर्यावरण दिवस भी मनाया जाता है। इस दिन लोगों को पर्यावरण के प्रति सचेत किया जाता है और पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस हर साल जून महीने में मनाया जाता है। दुनियाभर के तमाम देश 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाते हैं। इस साल भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए भारत समेत कई देशों में 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है। पहली बार पर्यावरण दिवस की शुरूआत 1972 में हुई थी। इस दिन की नींव संयुक्त राष्ट्र संघ ने 5 जून 1972 को रखी थी। इसी के बाद से हर साल लगातार 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाने लगा। भले ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का फैसला किया हो, लेकिन पर्यावरण दिवस को सबसे पहले स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में मनाया गया। 1972 में स्टॉकहोम में पहली बार पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें 119 देशों ने हिस्सा लिया था। हम सब देशवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक होना चाहिए और इस दिन प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा अपने नाम अवश्य लगाए ताकि पर्यावरण को बचाया जा सके।

आज देश भर में युवा पीढ़ी अपना जन्मदिन और मैरिज एनिवर्सरी होटल और रेस्टोरेंट में मानते हैं। इस इस दिन सभी नागरिकों का दायित्व बनता है कि इस आधुनिकता की दौड़ को छोडकर अपने गांव में शिक्षा संस्थानों में या कार्यालयों में पौधा अवश्य लगाएं ताकि वह पर्यावरण को स्वच्छ और साफ-सुथरा रखने के लिए अनिवार्य हो और आपकी यादगार भी बनी रहे। दुनिया में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। इसी बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति पर खतरा बढ़ रहा है जिसे रोकने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस मनाने की शुरूआत हुई, ताकि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाए और प्रकृति को प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्रेरित किया जा सके। भारत भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर है। इसी कारण पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत ने कानून बनाया है। 19 नवंबर 1986 में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। जब पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा था तो भारत में भी पर्यावरण दिवस मनाया गया। उस समय देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित कार्यक्रम में प्रकृति के प्रति अपनी चिंताओं को जाहिर किया था। पर्यावरण समाज का एक हिस्सा है। इसको साफ-सुथरा रखना हम सब नागरिकों का कत्र्तव्य है, लेकिन मनुष्य अपने निजी स्वार्थ हेतु पर्यावरण को लंबे समय से प्रदूषित करता रहा है तथा प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कर रहा है। मनुष्य के इन कृत्यों के कारण प्रकृति विनाश की तरफ बढ़ रही है और मनुष्य को पर्यावरण संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जंगलों में आग लगना या आग लगाने से पर्यावरण जहां दूषित हो रहा है वहीं जीव जंतु और वन्य प्राणी विलुप्त हो रहे हैं, जिसके चलते जंगलों में जड़ी-बूटियां भी नष्ट हो रही हैं। किसी ने ठीक ही कहा है कि एक देश जो अपने इतिहास को खत्म कर देता है, वह अपने आपको नष्ट कर देता है। उसी तरह जंगल हमारी जमीन के फेफड़े हैं, जो हमें शुद्ध हवा प्रदान करते हैं। अगर जंगल नहीं होंगे तो हम सब नष्ट हो सकते हैं। आज हमें पर्यावरण आंदोलनकारियों को भी नहीं भूलना चाहिए जिन्होंने पर्यावरण की रक्षा करते-करते अपने बलिदान दे दिए। राजस्थान में बिश्नोई पंथ के लोगों का बहुत बड़ा योगदान रहा है जिनमें सैकड़ों लोगों ने अपनी जान देकर पेड़ों की रक्षा की थी। उसी तरह से चिपको आंदोलन भी पर्यावरण का हिस्सा है जहां महिलाएं पेड़ों से चिपक गई थी और ठेकेदार को पेड़ों को काटने के लिए मना कर दिया गया था। आज हमें उनके योगदान को भी नहीं भुलाना चाहिए और पर्यावरण को एक अच्छे खुशहाल जीवन के साथ मिलाना चाहिए। आओ मिलकर पर्यावरण दिवस मनाएं। इस धरती को सबको जीने योग्य बनाएं।

जो देता है उसे बहुत मिलता है

चिंतन-मनन

ओशो

सत्संग चलने लगा और एक दिन अनूठी घटना घटी। चराने गए थे गाय-बैल को, दो फकीर-दो मस्त फकीर वहां से गुजरे। उनकी मस्ती ऐसी थी कि कोयल की कुहू-कुहू ओछी पड़ गई। पपीहों की पुकार में कुछ खास न रहा। झीलें देखी थीं, गहरी थीं, मगर इन आंखों के सामने कुछ भी नहीं। झीलें देखी थीं, शांत थीं, मगर यह शांति कुछ बात ही और थी। यह किसी और ही लोक की शांति थी। यह पारलौकिक थी। बैठ गए उनके पास, वृक्ष के नीचे महात्मा सुस्ताते थे। उनमें एक था बुल्लेशाह, एक अद्धुत फकीर, जिसके पीछे दीवानों का एक पंथ चला-बावरी। दीवाना था, पागल ही था। थोड़े से पागल संत हुए हैं। इतने प्रेम में थे कि पागल हो गए। ऐसे मस्त थे कि डगमगाकर चलने लगे। जैसे शराब पी हो,शराब जो ऊपर से उतरती है, शराब जो अनंस से आती है! एक तो उनमें बुल्लेशाह था, जिसे देखकर जगजीवन दीवाने हो गए। कहते हैं बुल्लेशाह को जो देखता था वही दीवाना हो जाता था। मां-बाप अपने बच्चों को बुल्लेशाह के पास भेजते नहीं थे। जिस गांव में बुल्लेशाह आ जाता, लोग अपने बच्चों को भीतर कर लेते थे। खबरें थीं कि वह दीवाना ही नहीं है, उसकी दीवानगी संक्रामक है। उसके पीछे बावरी पंथ चला, पागलों का पंथ चला। पागल से कम में परमात्मा मिलता भी नहीं। उतनी हिम्मत तो चाहिए ही। तोडकर सारा तर्कजाल, छोडकर सारी बुद्धि-बुद्धिमता, डुबाकर सब चतुराई चालाकी जो चलते हैं वे ही पहुंचते हैं, उन्हीं का नाम पागल है। एक तो उसमें बुल्लेशाह था और दूसरे थे गोविंदशाह, बुल्लेशाह के ही एक संगी साथी। दोनों मस्त बैठे थे। जगजीवन भी बैठ गया, छोटा बच्चा। बुल्लेशाह ने कहा, बेटे आग की जरूरत है, थोड़ी आग ले आओ, वह भागा। इसकी ही प्रतीक्षा करता था कि कोई आज्ञा मिल जाए, कोई सेवा का मौका मिल जाए। सद्गुरु के पास वे ही पहुंच सकते हैं जो सेवा की प्रतीक्षा करते हैं, कोई मौका मिल जाए। सेवा का कोई मौका मिल जाए। और जुड़ने का नाता, और कोई उपाय भी तो नहीं है। आग ही नहीं लाया जगजीवन, साथ में दूध की एक मटकी भी भर लाया। भूखे होंगे, प्यासे होंगे। आग ले आया तो दोनों ने अपने हुक्के जलाए। दूध ले आया तो दूध पीता। लेकिन बुल्लेशाह ने जगजीवन को कहा कि दूध तो तू ले आया, लेकिन मुझे ऐसा लगता है, किसी को घर में बताकर नहीं आया।

आपके पत्र

पिछले साल के पौधे देखे क्या?

हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर हम पौधे लगाते हैं, फोटो खिंचवाते हैं, लेकिन एक प्रश्न अनदेखा रह जाता है- क्या पिछले साल लगाए पौधे अभी भी जीवित हैं? पौधारोपण अब महज एक दिखावे का आयोजन बन चुका है, जिसमें जिम्मेदारी गौण और प्रचार प्रमुख हो गया है। जरूरत है वृक्षपालन की, जिसमें हर पौधा हमारी जिम्मेदारी बने।

शब्दों से आगे बढकर यदि हर नागरिक एक पौधे की सालभर देखभाल करे, तो हरियाली केवल पोस्टरों तक नहीं, जमीन पर भी लौटेगी। पर्यावरण दिवस फोटो के लिए नहीं, भविष्य के लिए मनाएं। आज जब पर्यावरण दिवस की बात होती है, तो सबसे पहले जो दृश्य मन में आता है, वह है- एक हरे-भरे पौधे के साथ खड़े कुछ लोग, हाथ में कुदाल या पानी की बाल्टी नहीं, बल्कि मोबाइल कैमरा होता है। हमें व्यवहार में कुछ ठोस करने की जरूरत है।

केपी शर्मा, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

नशा जागरूकता रैली निकाली गई

पाटन : पलामू जिले के पाटन प्रखंड के किशुनपुर कस्बा स्थित प्लस टू हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सोमवार को नशा मुक्ति अभियान रैली निकाली। साथ ही आम लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। नशा मुक्त विद्यालय बनाने के लिए स्कूली विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई। स्कूल की प्राचार्य अनिता कुमारी ने स्कूली बच्चों को मादक पदार्थो से होने वाली समाजिक, शारीरिक एवं मानसिक प्रभावों के बारे में जानकारी दी। रैली में प्रहरी क्लब सदस्य शिक्षक सुदीप मौर्य, रामजन्म पांडेय आदि सक्रिय रहे। नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के मद्देनजर 26 जून तक विद्यालय स्तर से अभियान चलाया जाएगा।

पूर्व से कार्यरत कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा का ध्यान नहीं रखा

साहिबगंज : झारखंड सरकार द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए जारी नियमावली आउटसोर्स मेनूवल 2025 के विरोध में झारखंड राज्य आउटसोर्स कर्मचारी संघ द्वारा निर्धारित चरणबद्ध आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए झारखंड राज्य के सभी आउटसोर्स कर्मचारी सचिवालय से लेकर प्रमंडल जिला प्रखंड अंचल और सभी क्षेत्रीय कार्यालयों तक में काला बिल्ला लगाकर कर्मचारी कार्य करते दिखे।कर्मचारियों का कहना है कि इस नियमावली में पूर्व से कार्यरत कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा का ध्यान नहीं रखा गया है।कर्मचारियों की मांग है कि सरकार इसमें संशोधन करते हुए 60 वर्ष तक सेवा सुरक्षा और वित्त विभाग के आलोक में संविदा कर्मियों के समान वेतन भुगतान करने का प्रावधान शामिल किया जाय।बता दें कि इस नियमावली को सभी ने कर्मचारी विरोधी नियमावली बताया और इसके विरोध में झारखंड के सभी आउटसोर्स कर्मचारियों से भारी संख्या में एकसाथ सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।चाहे वो सफाई कर्मी हो,चाहे,कम्प्यूटर ऑपरेटर अमीन चालक,माली,रसोइया, स्वास्थ्य विभाग के सफाई कर्मी से लेकर तकनीकी कर्मी सभी ने इस बार सरकार से अपनी मांगे मनवाने की ठान ली है।आउटसोर्स कर्मचारी ने बताया की 09 10 एवं 11जून 2025 काला बिल्ला लगाकर कार्य करेंगे,11 जून 2025 को संध्या 06:00 बजे जिला मुख्यालय में कैंडल मार्च निकाला जायेगा,12 जून, 2025 को जिला मुख्यालय समाहरणालय के समक्ष एकदिवसीय धरना प्रदर्शन वही 15 जून,2025 को राँची में एकदिवसीय राज्यस्तरीय धरना प्रदर्शन।

अतिक्रमण हटाओ अभियान में रामजी व प्रेमचंद ने पेश की मिसाल

साहिबगंज/बरहरवा : प्रखंड के कोटालपोखर में सड़क चौड़ीकरण के सरकारी अभियान में अक्सर तनाव और विरोध की खबरें आती हैं,लेकिन कोटालपोखर से एक सुखद और अनुकरणीय पहल सामने आई है।शांति मोड़,कोटालपोखर के निवासी रामजी साहा और प्रेमचंद साह ने प्रशासन के अतिक्रमण हटाओ अभियान का इंतजार किए बिना स्वयं अपनी दुकानों और घरों के सामने से अतिक्रमण हटाकर एक मिसाल पेश की है।स्थानीय निवासियों के अनुसार,रोड चौड़ीकरण की आवश्यकता को समझते हुए और क्षेत्र के विकास में योगदान देने की भावना से प्रेरित होकर,रामजी साहा और प्रेमचंद साह ने स्वेच्छा से कदम उठाया।उन्होंने खुद की जेसीबी मंगवाकर,बिना किसी विरोध या विवाद के,अपने स्वामित्व वाले क्षेत्र में आ रहे अतिक्रमण को शांतिपूर्ण ढंग से हटा दिया।इस पहल को स्थानीय प्रशासन और जनता दोनों ने सराहा है। यह दशार्ता है कि सामुदायिक सहयोग और जागरूकता से विकास कार्यों को कितनी आसानी और शांति से पूरा किया जा सकता है।रामजी साहा और प्रेमचंद साह का यह कदम अन्य प्रभावित लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन सकता है, जिससे कोटालपोखर में रोड चौड़ीकरण का कार्य और अधिक सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

दोहरे हत्याकांड में दोषी पाए गए सजवन गांव के तीन लोगों को उम्र

मेदिनीनगर : पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-द्वितीय प्रतीक चतुर्वेदी की अदालत ने सोमवार को दोहरे हत्याकांड के तीन आरोपियों को दोषी पाते हुए को सश्रम उम्रकैद की सजा सुनाई है। पलामू जिले के हैदरनगर थाना अंतर्गत सजवन गांव निवासी रामजन्म मेहता, राजकुमार मेहता एवं दिनेश मेहता को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। दोषियों को 50-50 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अभियोजन के अनुसार, हैदरनगर थाना अंतर्गत सजवन गांव निवासी सूचिका, बबीता कुमारी ने हैदरनगर थाना में 22 अप्रैल 2017 को नामजद प्राथमिकी कराई थी। अभियुक्तों पर आरोप था कि 22 अप्रैल 2017 की सुबह करीब 5 बजे सभी अभियुक्त ने मिलकर इस केस की सूचिका कविता कुमारी के घर पर पहुंचे और सूचिका के माता मनोरमा देवी और पिता राम सुंदर मेहता को डायन व ओझा-गुणी बताते हुए बलुवा, टांगी, डंडा से हमला कर हत्या कर दी। घटना स्थल पर ही सूचिका के माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। सूचिका के दोनों भाई धीरेंद्र मेहता व धर्मेंद्र मेहता ने अपने माता-पिता को बचाने का प्रयास किया। इस क्रम में आरोपियों ने उन्हें भी बलुआ, टागी तथा लाठी हमला कर जख्मी कर दिया था। सूचिका बबिता कुमारी व उसकी बहन सविता कुमारी को भी ग्रिल का ताला तोड़कर मारने का प्रयास किया गया परंतु ताला नहीं टूट सका जिसके कारण उनतक आरोपी नहीं पहुंच सके थे।

पीवीटीजी के शत-प्रतिशत सदस्यों का बनाएं राशन कार्ड : उपायुक्त

मेदिनीनगर : हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा सेक्युलर के पलामू जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम से उपायुक्त को मांग पत्र सौंपकर झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा नियमावली-2025 में बदलाव करने की मांग की। मांगपत्र के माध्यम से पलामू प्रमंडल के युवाओं को राहत दिलाते हुए क्षेत्रीय भाषा के रूप में नागपुरी को हटाकर मगही, भोजपुरी तथा हिंदी भाषा को क्षेत्रीय भाषा के रूप में शामिल करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में जिला सचिव वारिस आलम, मो. नसीम, लातेहार युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रंजीत कुमार भुईयां, अतुल सिंह आदि शामिल थे।

पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर जेवरात बरामद : एसपी

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्याणचक बाजार स्थित अजीत शर्मा के ज्वेलरी दुकान में दो बाइक सवार कुछ बदमाशों के चांदी के जेवरात लूट कर भागने की घटना हुई थी।इस कांड के उद्भेदन के लिए राजमहल एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था।टीम ने बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जिसमें वर्तमान में जयप्रकाश नगर के रहने वाले पश्चिम बंगाल के वर्द्धमान जिला अंतर्गत दो पोखर काली मंदिर निवासी रंजीत प्रसाद माली उर्फ बंगाली 22 व राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत घाटसलेमपुर निवासी धर्मा मंडल उर्फ ब्रह्मदेव मंडल 25 को गिरफ्तार किया गया था।पुलिस

लाइन स्थित अपने कार्यालय में एसपी अमित कुमार सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर इस कांड में लूटे गए चांदी जैसे जेवरात बरामद किये गए हैं।ज्ञात हो कि इस मामले में 7 जून को बांसकोला निवासी राजेश मंडल उर्फ मिथुन 31, जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत शांतिनगर निवासी सुबोध मंडल 22 और चानन निवासी सागर मंडल22 को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।वहीं इस कांड में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट का सफेद रंग का अपाची बाइक व काला रंग का पल्सर बाइक बरामद की जा चुकी है। वहीं इस संबंध में राजमहल थाना कांड संख्या 174/25 दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।शेष बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।बरामद सामान में एक पीला रंग का तराजू, स्टील का छोटा तराजू, 02 पीला रंग का हाथबाली,02 लाल-पीला रंग का हाथबाली,18 पीस पीला रंग की चूड़ी, 08 पीस मोती का माला, 02 पीला रंग का चेन,280 ग्राम विभिन्न पीला रंग का कान नाक का टॉप्स व अन्य आभूषण,15 पीस चांदी जैसा बाला,05 पीस चूड़ी,तार 04 पीस, 2.311 किलोग्राम पायल,सिकड़ी, बिछिया, ब्रेसलेट, सिन्दूरकिया, 100 ग्राम वाला 03 पीस सिकड़ी, 80 ग्राम वाला 02 पीस सिकड़ी बरामद किया गया है। छापामारी दल में राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी, इंस्पेक्टर श्यामलाल हांसदा, नगर थाना इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता, तालझारी थाना प्रभारी नीतेश कुमार पांडेय, तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडेय,जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह,गंगा रिवरा थाना प्रभारी लव कुमार,राजमहल थाना प्रभारी पूजा कुमारी, पुअनि विक्रम कुमार, विकास सेठ, पुअनि अमर मिंज, पुअनि अनीश कुमार, तकनीकी शाखा अभिषेक कुमार व सशस्त्र बल मौजूद थे।

पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक में मंडरो प्रखंड पर हुई चर्चा

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में पंचायती राज विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडरो प्रखंड को विशेष रूप से ध्यान में रखते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति पर बल दिया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि मंडरो एक आकांक्षी प्रखंड है।अतः यहां की हर आवश्यकता को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।बैठक में सभी पंचायत सचिवों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने पंचायतों में योजनाओं की गुणवत्ता और प्रगति पर लगातार निगरानी रखें। विशेष रूप से के तहत टीकाकरण की नियमितता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक पंचायत सचिव को महीने में कम-से-कम एक बार किसी एक पंचायत में स्वयं भीएचएसएनडी दिवस पर उपस्थित रहना होगा, और इस

संबंध में सूचना प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से जिला योजना कार्यालय को देनी होगी।इसके अलावा, भारत इंटरनेट योजना के अंतर्गत पंचायत भवनों में संचालित इंटरनेट कनेक्टिविटी की स्थिति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बंद पड़े इंटरनेट कनेक्शनों को अविलंब दुरुस्त कर सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में 15वें वित्त आयोग अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए, उनकी गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं की निगरानी हेतु पंचायत सचिवों की भूमिका महत्वपूर्ण है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। इस अवसर पर जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार सहित सभी पंचायतों के मुखिया पंचायत सचिव उपस्थित थे।

श्रीमद् भागवत कथा का अध्यात्मिक कार्यक्रम का हुआ समापन

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/बरहड़वा : प्रखंड क्षेत्र के मोगलपाड़ा में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का अद्यात्मिक कार्यक्रम का समापन सोमवार को हुआ। कथा के अंतिम दिन कथावाचक ने कथा का सारांश कह जीवन को जीने की कला भी समझाई। उन्होंने कई उपदेशात्मक वृतांत सुनाकर भक्तों को निहाल भी किया। 1जून रविवार से श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ किया गया था। जहां बरहरवा के एक मात्र कथावाचक भक्ति नंद महराज ने कथा सुनाकर भक्तों को भाव विभोर किया। कथा के अंतिम दिन को कथा में कहा कि मनुष्य का जीवन कई योनियों के बाद मिलता है।इसे कैसे जीना चाहिए यह भी समझाया।कथावाचिका ने सूर्यदेव से सत्रजीत को उपहार स्वरूप मिली मणि का प्रसंग सुनाते हुए मणि के खो जाने पर जामवंत और श्रीकृष्ण के बीच 28 दिन तक चले युद्ध और फिर जामवंती,सत्यभामा समेत से श्रीकृष्ण सभी आठ विवाह की कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि कैसे प्रभु ने दुष्ट भौमासुर के पास बंदी बनी

हुई 16 हजार 108 कन्याओं को मुक्त करवाया और उन्हें अपनी पटरानी बनाकर उन्हें मुक्ति दी। जिसमें सुदामा चरित्र को विस्तार से सुनाया।कृष्ण और सुदामा की निश्छल मित्रता का वर्णन करते हुए बताया कि कैसे बिना याचना के कृष्ण ने गरीब सुदामा का उद्धार किया।मित्रता निभाते हुए सुदामा की स्थिति को सुधारा। इन कथाओं को सुनकर सभी भक्त भाव विभोर हो गए।साथ ही भक्तो को बताया कि श्रीमद् भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से जीव का उद्धार हो जाता है।श्रीमद् भागवत कथा का समापन करते हुए कई कथाओं का भक्तों को श्रवण कराया।कथा समापन के दौरान कथावाचक ने भक्तों को भागवत को अपने जीवन में उतारने की बात कही जिससे सभी लोग धर्म की ओर अग्रसर हो।इसके बाद मेरे सर पर रख बनवारी मेरे सिर पर रख गिरधारी एवं मेरा मन पंछी में बोले उड़ बृन्दावन जाओ.हे राधे राधे गाओ हे श्यामा श्यामा गाओ सहित कई कीर्तन प्रस्तुत किए।वहीं रविवार को कथा समापन कार्यक्रम के बाद हवन और फिर प्रसाद वितरित किया गया। मौके पर कुलदीप रजक,स् ंतोष रजक, कृपा सिंधु रजक विश्वजीत रजक,विक्की रजक सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

सदर अंचल के टीम ने गंगा में रेस्क्यू के दौरान शव को किया बरामद

साहिबगंजःबरौनी निवासी हर्ष सोनी का शव सोमवार को कबूतरखोपी सूर्यदेव गंगा घाट समीप बीच गंगा में पानी में बहते हुए गंगा थाना प्रभारी व सदर अंचल के टीम ने गंगा में रेस्क्यू के दौरान बरामद किया। गंगा थाना प्रभारी लव कुमार ने बताया कि रविवार दोपहर को पांच लोग गंगा स्नान करने पुरानी साहिबगंज ओझा टोली गंगा घाट स्नान करने आया था। जिसमे एक युवक स्नान के क्रम में लापता हो गया। काफी खोजबीन के बाद भी पहले दिन बॉडी बरामद नहीं किया गया। दूसरे दिन सुबह से ही गोताखोर लगातार गंगा में बॉडी खोजते रही। वही दोपहर साढ़े तीन बजे लगभग गंगा थाना प्रभारी व सदर अंचल सीआई के नेतृत्व में राहत बचाव कार्य की टीम ने बॉडी को कबूतरखोपी चानन सूर्यदेव घाट के सामने बीच गंगा में बहता हुआ देखा। वही बॉडी को तुरंत कब्जे में लेकर घाट किनारे लाया गया।

सूर्या हांसदा गिरोह के सदस्य के घर से सात देसी राइफल बरामद

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : 9 जून को पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली कि मिजाचौकी थाना में 2 जून को दर्ज कांड संख्या 34/25 में संलिप्त अपराधी सूर्या हांसदा अपने गिरोह के सदस्यों के साथ मिजाचौकी थाना क्षेत्र के छोटा देवढांड स्थित फागु माल पहाड़िया के पक्के मकान में ठहरा हुआ है। किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश रच रहा है।इस सूचना पर उन्होंने राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने छोटा देवडांड स्थित फागु माल पहाड़िया के पक्का मकान को घेर कर छापामारी की गई।छापामारी में फागु माल पहाड़िया,भुरकुंडा निवासी मंगल मरांडी को पकड़ा गया।उनकी निशानदेही पर फागु माल पहाड़िया के घर से 7 देशी राइफल बरामद किया गया।पूछताछ में फागु मल

पहाड़िया और मंगल मरांडी ने बताया कि मिजाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत दामिनभिट्ठा स्थित जय माता जी स्टोन माइंस में दो हाइवा व दो पोकलेन को जलाने के पश्चात घटना में प्रयुक्त हथियार सूर्या हांसदा ने उसके घर मे लाकर रखा था।बाकी हथियार सूर्य हांसदा व गिरोह के अन्य सदस्य अपने साथ लेकर चले गए।फागु माल पहाड़िया व मंगल मरांडी ने उपरोक्त घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।साथ ही उक्त कांड में गिरोह के सरगना सूर्य हांसदा व अन्य की संलिप्तता बताई है।मामले में अग्रतर अनुसंधान जारी है।छापामारी दल में राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी,सदर एजीपीओ किशोर तिर्की,प्रशिक्षु डीएसपी रूपक सिंह,सर्किल इंस्पेक्टर राजीव रंजन,मिजाचौकी थाना प्रभारी रुपेश कुमार यादव,बोरियों थाना प्रभारी पंकज वर्मा,बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार, मिजाचौकी पुअनि पवन कुमार,सअनि अमित कुमार व अन्य शामिल थे।

सड़क दुर्घटना में घायल बीएसएफ जवान की मौत, दी गई श्रद्धांजलि

मेट्रो रेज संवाददाता

मेदिनीनगर/नीलांबर-पीतांबरपुर : पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के बसौरा समीप 31 मई को सड़क दुर्घटना में घायल बीएसएफ के जवान प्रदीप कुमार सिंह की मौत हो गई। लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के मुनरिया गांव निवासी 34 वर्षीय प्रदीप कुमार सिंह को गंभीर हालत में इलाज के लिए रांची के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद स्थिति में थोड़ा सुधार होने पर रविवार को घर लाया जा रहा था परंतु रास्ते में उनकी मौत हो गई। परिवार के लोग शव लेकर, मेदिनीनगर के एमआरएमसीएच पहुंचे। एमआरएमसीएच टीओपी की पुलिस शव को कब्जे में लेकर सोमवार को पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया है। इधर जवान की सूचना की खबर पर हजारीबाग से बीएसएफ पदाधिकारी एवं जवान मेदिनीनगर एमआरएमसीएच पहुंच गए हैं। मृतक के पिता ने बताया कि बीएसएफ जवानों ने मुंदरिया गांव शव लेकर पहुंचे और गार्ड ऑफ ऑनर के बाद श्रद्धांजलि अर्पित किया। उन्होंने बताया कि प्रदीप कुमार सिंह 2012 में बीएसएफ में भर्ती हुए थे और वर्तमान में मेघालय में पोस्टेड थे। पत्नी से गत जनवरी से पारिवारिक विवाद चल रहा है। मामला कोर्ट में विचारधीन है। कोर्ट में विचारधीन मामले में गवाही देने के लिए 22 मई को छुट्टी लेकर प्रदीप कुमार सिंह घर आया था। 10 जून को वह ड्यूटी पर जाने वाले थे। गवाही देने के बाद वह घर पर रह रहा थे। 31 मई को किसी दोस्त की ओर से आयोजित पार्टी में जाने के लिए घर से शाम में बाइक से निकले थे और बसौरा में सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए थे। दो नाबालिग बच्चों के पिता प्रदीप कुमार सिंह, अपने बच्चों की जिम्मेवारी खुद मांग रहे थे।

अंधविश्वास में हुई महिला की हत्या, पड़ोसी समेत दो गिरफ्तार

मेट्रो रेज संवाददाता

पलामू : जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के बाघामाड़ा में 16 मई को हुए विमला देवी हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा किया है. विमला देवी की गोली मारकर हत्या की गई थी. पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए विमला देवी के पड़ोसी गौतम कुमार और उसके एक रिश्तेदार विनोद भुईयां को गिरफ्तार किया है. जबकि हत्याकांड के दो अन्य आरोपी पहले से जेल में बंद है. यह दोनों हाईवा जलाने के आरोप में गिरफ्तार हुए थे.

पुलिस के अनुसार गौतम कुमार की भाभी और बच्चे लंबे समय से बीमार चल रहे थे. गौतम को अंधविश्वास में आकर यह आशंका थी कि विमला देवी झाड़ फूंक कर रही है, जिस कारण उसके भाभी और बच्चे बीमार हैं. गौतम ने पूरी बात को अपने एक रिश्तेदार विनोद के साथ साझा

किया था.

पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि विनोद ने गौतम का संपर्क सकेंद्र उरांव नामक अपराधी से करवाया था. हत्या के लिए सकेंद्र ने 80 हजार रुपए की सुपारी मांगी थी. एडवांस में 50 हजार रुपए और 30 हजार रुपए काम होने के बाद.

सत्येंद्र इस घटना को अंजाम देने के लिए सोनू अली नामक एक अन्य अपराधी को शामिल किया था. सभी ने मिलकर विमला देवी के घर का रेकी किया. घटना के दिन सभी बाइक से विमला देवी के घर पर पहुंचे थे और पति के बगल में सो रही विमला देवी की गोली मारकर हत्या कर दी गई.

एसपी ने बताया कि सकेंद्र और सोनू हाईवा जलाने के मामले में पहले से जेल में बंद है. दोनों को रिमांड पर लिया जाएगा. छापेमारी अभियान में छतरपुर एसडीपीओ अवध कुमार यादव, छतरपुर थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद समेत कई पुलिस अधिकारी शामिल थे.

बॉलीवुड एक्टर श्रेयस तलपड़े की मुश्किलें बढ़ीं, अभिनेता समेत 16 लोगों पर केस दर्ज

हरदोई : उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में बॉलीवुड अभिनेता श्रेयस तलपड़े समेत 16 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि एक चिट फंड कंपनी के प्रमोटर बताकर लोगों को पैसा दोगुना करने का लालच दिया गया और करोड़ों रुपये की ठगी कर ली गई।

यह मामला हरदोई के शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के सुजनियापुर गांव निवासी अमर वीर सिंह की तहरीर पर दर्ज हुआ है। अमर वीर पहले एक ग्राहक सेवा केंद्र चलाते थे। साल 2020 में उनकी मुलाकात कुछ लोगों से हुई, जिन्होंने खुद को एलयूसीसी (लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी) से जुड़ा बताया और दावा किया कि यह कंपनी कम समय में पैसा दोगुना करती है।

इन लोगों ने अमर वीर को बताया कि बॉलीवुड अभिनेता श्रेयस तलपड़े कंपनी के प्रमोटर हैं, जिससे उनका भरोसा बढ़ा। उनसे कहा गया कि अगर वह अपने और अपने परिवार के पैसे निवेश करेंगे तो उन्हें कंपनी में जॉब और कमीशन भी मिलेगा।

इसके बाद अमर वीर ने न सिर्फ अपने पैसे लगाए बल्कि गांव के लोगों से भी निवेश करवाया। बताया जा रहा है कि उन्होंने

करीब 20 लाख रुपये से ज्यादा का निवेश करवाया। लोगों को एफडी, आरडी, सुकन्या योजना जैसे नामों पर झांसा दिया गया।लेकिन समय पूरा होने पर कंपनी ने भुगतान नहीं किया और धीरे-धीरे संपर्क से बाहर हो गई। अमर वीर के अनुसार उन्होंने कई बार कंपनी से संपर्क किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

अमर वीर की शिकायत पर पुलिस ने श्रेयस तलपड़े, समीर अग्रवाल, उनकी पत्नी सानिया, आर.के. शेट्टी, संजय मुदगिल, पंकज अग्रवाल, शबाब हाशिम, जुल्फिकार अहमद, यादराम राजपूत, गौरव वर्मा, कृष्ण दीक्षित, फहीम उल्लाह, राजी उल्लाह, सनत राजपूत, उत्तम सिंह और उनकी पत्नी माया सिंह के खिलाफ IPC की धारा 419, 420, 406, 504 और 506 के तहत केस दर्ज किया है।

शाहाबाद कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि श्रेयस तलपड़े का इस मामले में वास्तविक रोल क्या था, और बाकी आरोपी कहां हैं। यह मामला चिट फंड कंपनियों के नाम पर हो रही धोखाधड़ी की एक और बड़ी मिसाल के रूप में सामने आया है, जिसमें गांव के सैकड़ों लोगों की जमा पूंजी डूब गई है।

काम न मिलने के कारण दो साल तक डिप्रेशन में रहीं पायल घोष

अभिनेत्री पायल घोष ने बताया कि पिछले दो सालों से वह काम न मिलने के कारण डिप्रेशन और एंग्जाइटी से जूझ रही थीं। उन्होंने बताया कि इस मुश्किल दौर में उन्हें न तो इंडस्ट्री से और न ही परिवार या दोस्तों से कोई सहारा मिला। वह पूरी तरह अकेली थीं और कई बार घर में बंद रहकर रोती थीं। पायल ने अपनी मानसिक स्थिति को संभालने के लिए डॉक्टरों की मदद और दवाइयों का सहारा लिया। उन्होंने कहा कि दो साल तक काम न मिलना बहुत मुश्किल था, जिससे उनकी बचत भी खत्म होने लगी थी। पायल ने बताया, ह्लन तो मुझे इंडस्ट्री से कोई सपोर्ट मिला, चाहे वो मेरे जानने वाले हों या जिनके साथ मैंने पहले काम किया हो और न ही मेरे प्रियजनों से। यह सब मेरे लिए अकेलापन भरा था। हर एक्टर ऐसे दौर से गुजरता है, जब आप चाहे जो भी कोशिश करें, सब कुछ आपके खिलाफ काम कर रहा होता है और कुछ भी आपके पक्ष में काम नहीं कर रहा होता। पिछले दो साल मेरे लिए ऐसे ही रहे। ऐसे कई मौके आए, जब मैं अकेले रोई हूं। चिंता, तनाव और सदमे से खुद को घर में बंद करके कई दिन बिताए हैं। चाहे मेरा परिवार हो या इंडस्ट्री, मुझे किसी से कोई सपोर्ट नहीं मिला और मैं घर पर अकेली थी। पायल ने बताया कि उन्हें बढ़ती परेशानियों के लिए पेशेवरों की मदद लेनी पड़ी, अकेलेपन ने मुझे बहुत परेशान किया और इसने मेरे मानसिक स्वास्थ्य को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया। मुझे उन पूरे 2 सालों के लिए पेशेवर मदद और दवा का सहारा लेना पड़ा और हर दिन एक बुरे सपने की तरह था। 2 साल तक बिना काम के रहना एक लंबा समय है। मेरी बचत खत्म हो रही थी, जिंदगी पर असर पड़ रहा था।

हालांकि, अब धीरे-धीरे उनके लिए काम के मौके बढ़ रहे हैं और चीजें बेहतर हो रही हैं। पायल ने उम्मीद जताई कि जल्द ही उनके प्रोजेक्ट्स दर्शकों तक पहुंचेंगे और चीजें बेहतर होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि वह नहीं चाहतीं कि कोई और इस तरह के तनाव और एंग्जाइटी से गुजरे।

उन्होंने बताया कि धीरे-धीरे स्थिति ठीक हो रही हैं, भगवान की कृपा से अब धीरे-धीरे और लगातार चीजें बेहतर हो रही हैं और काम के ऑफर मिलने लगे हैं। मैं प्रार्थना करती हूं कि जल्द मेरा काम दर्शकों के लिए सामने आएगा।

हैलो पूजा में मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जैनब पत्रा की अहम भूमिका

मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर जैनब पत्रा वेब सीरीज हैलो पूजा में अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। चुल्ल टीवी एक बार फिर से अपनी अपकमिंग वेब सीरीज को लेकर चर्चा में है। इस बार जो सीरीज सुर्खियों में है, उसका नाम है हैलो पूजा। चुल्ल टीवी की इस वेब सीरीज की कहानी आज की जेनेरेशन जेड लड़कियों की डिजिटल लाइफस्टाइल को लेकर है, जहां वो नए-नए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर अनजान लडकों से बात करती हैं, चैटिंग करती हैं और उनसे पैसे मांगती हैं।

शुरूआत में यह सब एक गेम जैसा लगता है, लेकिन धीरे-धीरे यह आदत अपराध की दुनिया की ओर ले जाती है। कहानी में दिखाया गया है कि कैसे एक लडकी जो सिर्फ चैट और पैसों के लिए यह सब शुरू करती है, धीरे-धीरे जाल में फंसती जाती है और खुद एक क्रिमिनल बन जाती है। इस वेब सीरीज का एंड शॉकिंग है और सोचने पर मजबूर करता है कि कहीं यह कहानी हमारे आसपास भी तो नहीं घट रही। इस सीरीज में खास बात यह है कि मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर जैनब पत्रा भी अहम किरदार में नजर आएंगी।

जैनब पत्रा डिजिटल दुनिया का जाना-माना नाम हैं। इंस्टाग्राम और रील्स की दुनिया में उनका स्टाइल, परफॉर्मेंस और ऑथेंटिसिटी के लिए एक अलग ही फैनबेस है। वेब सीरीज में उनका किरदार न सिर्फ बोल्ड है, बल्कि भावनात्मक और सशक्त प्रदर्शन से भरपूर है, जो दर्शकों को बांधकर रखेगा। यह पहली बार है जब जैनब किसी क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज में नजर आ रही हैं, और उनके फैन्स इस अवतार को देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

सीनियर नेशनल बीच कबड्डी लीग में हिमाचल की बेटियों की चांदी

आंध्र प्रदेश में फाइनल में दिल्ली की टीम से 42-35 अंक के अंतर से मिली मात

हमीरपुर: सीनियर नेशनल बीच कबड्डी लीग में हिमाचल की महिला टीम को सिल्वर मेडल से संतुष्ट होना पड़ा। फाइनल मुकाबले में हिमाचल की टीम को दिल्ली टीम से शिकस्त खानी पड़ी और टीम खिताब जीतने से चूक गई। दिल्ली ने हिमाचल को फाइनल मुकाबले में 42-35 से हराया।

आंध्र प्रदेश के मछली पट्टनम में हिमाचल की कबड्डी टीम में कैप्टन किरण, जसप्रीत कौर, अदिति, सुजाता, तनु चौहान और प्रियंका ने बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। हिमाचल कबड्डी संघ के अध्यक्ष राजकुमार भरताना और महासचिव कृष्ण लाल ने टीम व कोच पूर्ण सिंह कटोच, कोच विलम ठाकुर और मैनेजर पवन नेगी को सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई दी।

ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने कोच पर लगाया आरोप

हरारे: जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने स्थानीय कोच पर नस्लीय दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। यह घटना पहली जून को विग्ने कप मैच के दौरान की है। वह अपनी टीम ओल्ड हरारियंस की तरफ से रेनबो क्रिकेट क्लब के खिलाफ खेल रहे थे। हरारे मेट्रोपॉलिटन क्रिकेट एसोसिएशन में शिकायत दी। उन्होंने इसकी शिकायत हरारे मेट्रोपॉलिटन क्रिकेट एसोसिएशन में दी है।

रजा ने आरोप लगाया है कि वह ओल्ड हरारियंस क्लब में ओल्ड हरारियंस और रेनबो क्रिकेट क्लब के बीच खेले गए मैच के दौरान जब ग्राउंड से बाहर जा रहे थे, तब कोच ने उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की। रजा ने कहा, मैं इस घटना की पूरी जांच की मांग करता हूं। अगर कोच दोषी पाया जाता है, तो उन्हें ऐसा सबक सिखाया जाना चाहिए कि भविष्य में किसी के साथ ऐसी घटना न हो।

विवेक अग्निहोत्री ने पब्लिक डिमांड पर बदल दिया फिल्म द दिल्ली फाइल्स का नाम

इस फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और पल्लवी जोशी जैसे शानदार कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। शूटिंग के दौरान कई मुश्किलें आईं, खासकर सुरक्षा को लेकर, जिसकी वजह से कोलकाता की बजाय मुंबई में फिल्माया गया।

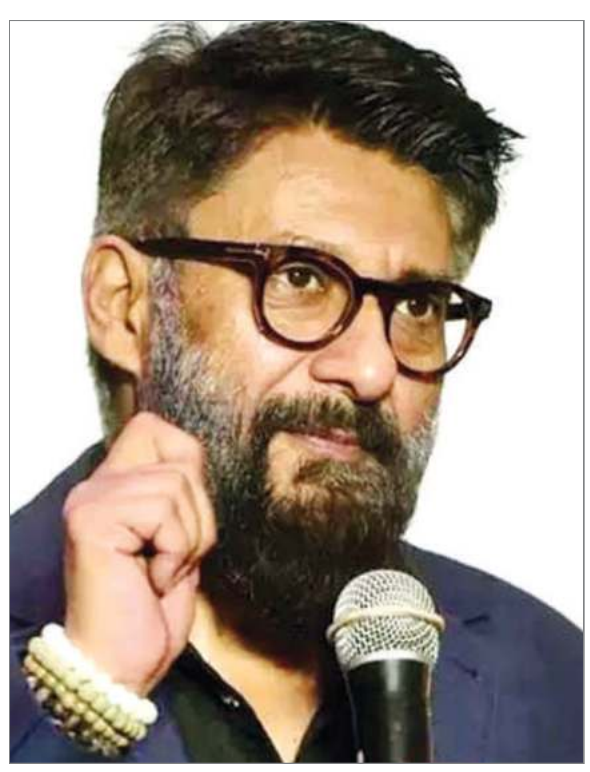

विवेक रंजन अग्निहोत्री अब अपनी ट्रिलॉजी की तीसरी फिल्म ह्यद दिल्ली फाइल्सः द बंगाल चैप्टर के साथ तैयार हैं, जिसे अब द बंगाल फाइल्सः राइट टू लाइफ नाम से रिलीज किया जाएगा। फिल्म अब द बंगाल फाइल्सः राइट टू लाइफ के नाम से 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के मेकर्स अभिषेक अग्रवाल, पल्लवी जोशी और विवेक अग्निहोत्री ने ये फैसला खासतौर पर पब्लिक डिमांड पर लिया है।

श्ह फिल्म विवेक रंजन अग्निहोत्री की फाइल्स ट्रिलॉजी की तीसरी किस्त है, जिसमें इससे पहले द ताशकंद फाइल्स (2019) और द कश्मीर फाइल्स (2022) आ चुकी हैं। ये अगली फिल्म 1940 के दशक में विभाजन से पहले वाले बंगाल में हुए सांप्रदायिक दंगों पर आधारित है, खासतौर पर डायरेक्ट एक्शन डे और नोआखाली दंगों पर फोकस करती है। अग्निहोत्री ने इन घटनाओं को हिंदुओं का नरसंहार बताया है और इस फिल्म के जरिए वो भारतीय इतिहास के इस अनदेखे हिस्से को सामने लाना चाहते हैं।

इस फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और पल्लवी जोशी जैसे शानदार कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। शूटिंग के दौरान कई मुश्किलें आईं, खासकर सुरक्षा को लेकर, जिसकी वजह से कोलकाता की बजाय मुंबई में फिल्माया गया। बावजूद इसके, विवेक अग्निहोत्री और उनकी टीम ने ये प्रोजेक्ट पूरा कर लिया है और अब ये अहम कहानी पूरे देश के दर्शकों तक पहुंचाने के लिए तैयार हैं।

कुछ महीने पहले मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज किया था, जिसमें वेटरन एक्टर मिथुन चक्रवर्ती का डर पैदा कर देने वाला फर्स्ट लुक दिखाया गया था। वो एक सुनसान कॉरिडोर में सफेद दाढ़ी और थके-हारे लुक में चलते नजर आते हैं और जली हुई जुबान से संविधान की प्रस्तावना पढ़ते हैं।

ह्यद दिल्ली फाइल्स को विवेक अग्निहोत्री ने लिखा है और इसे अभिषेक अग्रवाल और पल्लवी जोशी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार अहम किरदारों में नजर आएंगे। ये फिल्म तेज नारायण अग्रवाल और आई एम बुद्धा प्रोडक्शंस द्वारा पेश की गई है और विवेक की फाइल्स ट्रिलॉजी का हिस्सा है, जिसमें पहले द कश्मीर फाइल्स और द ताशकंद फाइल्स शामिल हैं।

गर्दन पर पट्टी और आंखों में आंसू...ट्यूमर सर्जरी के बाद दीपिका कक्कड़ का पहला वीडियो

टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ इस समय मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। उन्हें सेकेंड स्टेज लिवर कैंसर डिटेक्ट हुआ था। ऐसे में एक्ट्रेस की 14 घंटे की सर्जरी हुई जिसकी वजह से वे तीन दिन तक आईसीयू में थीं। दीपिका कक्कड़ के पति शोएब इब्राहिम ने पहले एक्ट्रेस का हेल्थ अपटेड देते हुए बताया था कि वे आईसीयू से बाहर आ गई हैं। वहीं अब खुद दीपिका ने व्लॉग के जरिए अपना हेल्थ अपडेट दिया।

शोएब इब्राहिम ने अपना व्लॉग शेयर करते हुए बताया कि दीपिका अब पहले से बेहतर है। थोड़ा कुछ खा पा रही है और फिर उन्होंने दीपिका से सभी को मिलवाया। दीपिका कक्कड़ कहती हैं- 'मैं करूंगी आपसे आराम से बात, बस इस वक्त इतना ही बोलूंगी कि आप लोगों ने बहुत दुआएं की है. उसके लिए बहुत बहुत दिल से थैंक्यू। बहुत बहुत थैंक्यू। हॉस्पिटल में भी मुझे हॉस्पिटल के स्टाफ, सिस्टर्स कहां-कहां से आके कह रहे हैं कि मैं हूं, तो मैम आप ठीक हो जाओगे मैम आप ठीक हो जाओगे। दूसरे पेशेंट्स के रिश्तेदार जो पेशेंट्स यहां थे उनके वो कह रहे हैं कि हम दुआ कर रहे हैं आपके लिए।आप भी ठीक हो जाओगे।मतलब उनके खुद के किसी की बेटी, किसी के पापा हैं। बाकी वो मेरे लिए भी दुआ कर रही हैं।' दीपिका आगे कहती हैं- 'ये सारी चीजें बहुत बहुत मायने रखती हैं, तो उसके लिए बहुत थैंक्यू दिल से। अल्हम्दुलिल्लाह मैं अब बहुत-बहुत बेहतर महसूस कर रही हूं।बहुत अच्छे से रिकवरी हो रही है। बीच में कफ ने पकड़ लिया था जैसे शोएब ने बताया तो उसमें बहुत हालत खराब हो गई थी क्योंकि इस पूरे हिस्से में स्टिचेस है तो वो बहुत ज्यादा स्ट्रेन पड़ रहा था लेकिन अभी बहुत बेहतर हूं और बस बाकी आराम से बात करूंगी।'

टेस्ट सीरीज से पहले भिड़े गिल-बुमराह, सिराज-पंत के बीच स्लेजिंग, टीम इंडिया ने काउंटी ग्राउंड में किया अभ्यास

लीड्सः भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए तैयार है। यह सीरीज 20 जून से शुरू होगी। भारत ने 2007 के बाद से इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। उस समय सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ थे। भारत ने इसके बाद चार बार इंग्लैंड का दौरा किया, लेकिन उसे जीत नहीं मिली। 2011 में 0-4 से, 2014 में 1-3 से, 2018 में 1-4 से हार मिली और 2021/22 में 2-2 से ड्रॉ हुआ। इस बार काम मुश्किल है, खासकर विराट

कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद। भारत ने इतिहास रचने के लिए 18 खिलाडियों का एक अच्छा स्क्वॉड बनाया है। टीम ने केंट काउंटी ग्राउंड, बेकेनहैम में अभ्यास शुरू कर दिया है।

यहां गौतम गंभीर खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देते दिखे। मोहम्मद सिराज और ऋषभ पंत के बीच स्लेजिंग भी देखने को मिली। जसप्रीत बुमराह और शुभमन गिल के बीच कड़ी टक्कर हुई। अभ्यास के दौरान मोहम्मद सिराज और ऋषभ पंत के बीच मजेदार मुकाबला हुआ। सिराज तेज गेंदबाजी कर रहे थे, लेकिन पंत पर इसका कोई असर नहीं हुआ।

तीन घंटे की प्रैक्टिसः केंट काउंटी ग्राउंड में भारत का पहला अभ्यास सत्र हुआ। खिलाडियों ने तीन घंटे तक अभ्यास किया। इस दौरान कोच गौतम गंभीर सबसे ज्यादा सक्रिय दिखे। उन्होंने सभी खिलाडियों से बात की, लेकिन युवाओं पर ज्यादा ध्यान दिया। गंभीर ने नेट्स के पीछे खड़े होकर ऋषभ पंत और साई सुदर्शन पर नजर रखी। उन्होंने सुदर्शन को डेब्यू से पहले कई टिप्स दिए।

न्यूज ब्रीफ

पति-पत्नी में हो रहा था विवाद, बीच बचाव करने आये पिता की बेटे ने कर दी हत्या

जोगिंदरनगर: जोगिंदरनगर उपमंडल के तहत ग्राम पंचायत द्रुबबल में एक बेटे द्वारा अपने पिता की हत्या करने का मामला सामने आया है। यहां दद्रोबडा गांव में बीती देर रात को बेटे मुकेश ने अपने सेवानिवृत बाप प्रताप सिंह की हत्या कर दी। सूचना मिलेत ही पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी बेटे के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मुकेश और उसकी पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। दोनों के बीच विवाद होता देख उनके पिता प्रताप सिंह बीच बचाव के लिए आए तो बेटे ने तैश में आकर किसी नुकीली वस्तु से पिता पर वार कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी नागण देवी के बयान पर आरोपी बेटे के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल जोगिंदर नगर पहुंचाया। मामले की पुष्टि करते हुए डीएसपी पधर देव राज ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

रूसी हमले में यूक्रेन के कई शहर तबाह, तीन साल में सबसे डरावनी रात, हवाई प्रहार में बरसाए 500 ड्रोन-मिसाइलें

एजेंसी/ कीव: रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से चल रहे युद्ध में बीती रात यूक्रेन के लिए काफी खौफनाक रहा, जब रूस ने यूक्रेन पर 479 ड्रोन और 20 मिसाइलों से अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि इस हमले में खासतौर से देश के मध्य और पश्चिमी क्षेत्रों को निशाना बनाया गया है। बीते दिनों यूक्रेन ने रूस के एयरबेस को निशाना बनाया था और इसके बाद किया गया यह हमला काफी बड़ा माना जा रहा है। यूक्रेन की वायु सेना ने दावा किया कि उसने 277 ड्रोन और 19 मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया। यूक्रेनी दावों के मुताबिक, 10 ड्रोन और मिसाइलें अपने लक्ष्य तक पहुंच सकीं। हमले में एक शख्स घायल हुआ है। हालांकि, इन यूक्रेनी दावों की किसी तरह से पुष्टि नहीं की गई है।

यूक्रेन को बचने के लिए एयर डिफेंस की जरूरत: यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि पूर्वी और उत्तर-पूर्वी मोर्चों पर हालात बेहद खराब हैं। उन्होंने रूसी हमलों से हो रहे नुकसान पर ज्यादा कुछ जानकारी नहीं दी। यूक्रेन को अपने पश्चिमी सहयोगियों से विशेष रूप से एयर डिफेंस सिस्टम की और मदद की जरूरत है, लेकिन अमरीका की नीति को लेकर अनिश्चितता के कारण स्थिति खराब बनी हुई है।

सोनम ने कहा- 20 लाख दूंगी पर राजा को मारना होगा- हत्या वाले दिन मुकर गए थे किलर

नई दिल्ली/शिलॉन्ग: राजा रघुवंशी की हत्या का मामला जितना आगे बढ़ रहा है, उतनी ही चौंकाने वाली परतें खुल रही हैं। अब इस केस ने एक नया मोड़ ले लिया है जहां मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी पर हत्या की साजिश रचने और इसके लिए पैसे देने का गंभीर आरोप सामने आया है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने जो खुलासे किए हैं, उनसे पूरी कहानी खौफनाक रूप लेती जा रही है।

थक गए थे आरोपी, सोनम ने पैसों का लालच देकर उठाया कदमः पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना वाले दिन आरोपी पहाड़ी क्षेत्र में चलने के कारण बेहद थक गए थे और राजा को मारने से पीछे हटने लगे थे। तभी सोनम ने उन्हें 20 लाख रुपये का प्रलोभन देकर हत्या को अंजाम देने के लिए फिर से राजी किया। यही नहीं, उसने तुरंत राजा के पर्स से 15,000 रुपये नकद निकालकर उन्हें एडवांस के तौर पर भी दे दिए। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि घटना के दिन जब वे पहाड़ी इलाके में लगातार चलने से थक गए और राजा रघुवंशी की हत्या करने से पीछे हटने लगे, तो सोनम रघुवंशी ने उन्हें 20 लाख रुपये देने का वादा किया। पैसे का लालच इतना तगड़ा था कि उन्होंने तुरंत ही फैसला बदल लिया। यही नहीं, सोनम ने राजा के पर्स से 15,000 रुपये निकालकर मौके पर ही उन्हें एडवांस के तौर पर थमा दिए, ताकि वे पीछे न हटें और हत्या को अंजाम दें।

शिलॉन्ग ट्रिप बना हत्या की पटकथा का मंच: जांच में यह बात भी स्पष्ट हुई है कि सोनम पहले से ही इस हत्या की योजना बना चुकी थी। शिलॉन्ग ट्रिप सिर्फ एक बहाना था – असली मकसद राजा को एक सुनसान जगह पर ले जाकर हत्या को अंजाम देना था। पैसे का लालच, एडवांस कैश और लोकेशन प्लानिंग, सबकुछ बेहद सोचे-समझे ढंग से किया गया था।

डिजिटल सबूतों से बन रही है साजिश की पूरी तस्वीरः अब पुलिस की नजर उन डिजिटल सुरागों पर है जो इस जघन्य अपराध की गहराई को उजागर कर रहे हैं। कॉल डिटेल रिकॉर्ड बैंक ट्रांजैक्शन और मोबाइल लोकेशन डेटा की मदद से पुलिस उन सभी कड़ियों को जोड़ने की कोशिश कर रही है जो इस हत्या के पीछे छिपे असल मकसद और लोगों को सामने ला सके।

पुलिस को पांच ऐसे मोबाइल नंबर मिले हैं जो इस साजिश से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं – राजा रघुवंशी, सोनम रघुवंशी, आनंद कुर्मी, आकाश राजपूत, और विशाल उर्फ विक्की ठाकुर। इन नंबरों की गतिविधियां मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय पाई गई हैं।

प्रेमी के जरिए होती रही साजिश की मॉनिटरिंगः सूत्रों का कहना है कि सोनम अपने प्रेमी राज कुशवाहा से लगातार संपर्क में थी और उसे अपनी लोकेशन भी भेज रही थी। यही लोकेशन बाद में अन्य आरोपियों – आनंद, आकाश और विशाल – तक भी साझा की जाती थी। राज कुशवाहा भले ही इंदौर में मौजूद था, लेकिन लोकेशन और कॉल डेटा से साफ है कि वह इस पूरे ऑपरेशन का अहम हिस्सा था।

अमेरिका के लॉस एंजेलेस में हिंसा

अवैध प्रवासियों पर हो रही कार्रवाई के विरोध से बिगड़ा माहौल, जलाया झंडा

एजेंसी/ लॉस एंजेलेसः अमेरिका के लॉस एंजेलेस में अवैध प्रवासियों पर हो रही कार्रवाई के विरोध में चल रहा प्रदर्शन बीते तीन दिन से हिंसक हो गया है। उपद्रवियों ने शहर की सडकों को जाम कर सैकड़ों गाड़ियों में आग लगा दी। दुकानों और शॉपिंग कांप्लेक्स में लूटपाट भी की। शहर के एक चौराहे पर प्रदर्शनकारियों ने अमरीकी झंडे पर थूका और उसे जला दिया। कई इलाकों में उपद्रवियों ने सुरक्षाबलों पर पत्थर और पटाखे फेंके। इसके बाद अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मास्क लगाए लोगों को तुरंत गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। ट्रंप ने कहा कि लॉस एंजेलेस पर अवैध अप्रवासियों का कब्जा है, हम शहर को जल्द मुक्त कराएंगे।

वहीं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से रविवार को लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड की तैनाती के बाद तनाव और बढ़ गया। हजारों प्रदर्शनकारी सडकों पर उतर आए। उन्होंने एक प्रमुख फ्रीवे को अवरुद्ध कर दिया और स्वचालित कारों में आग लगा दी। आग लगने के कारण उनमें विस्फोट की घटनाएं भी सामने आईं। नेशनल गार्ड के सामने प्रदर्शनकारी शेम और घर जाओ के नारे लगा रहे थे।

यह राष्ट्रपति नहीं तानाशाह का कामः कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजाम ने नेशनल गार्ड की तैनाती को गैरकानूनी बताया है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन से नेशनल गार्ड को तैनात करने के आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यह एक तानाशाह के कृत्य हैं, राष्ट्रपति के नहीं।

पाकिस्तान का एक और ब्लंडर, बिलावल ने अमेरिका पर ही लगा दिए आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप

वॉशिंगटन : पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी इन दिनों अमेरिका दौरे पर हैं और वहां वे एक बयान से ब्लंडर कर गए हैं, जो पाकिस्तान को भारी पड़ सकता है। दरअसल बिलावल भुट्टो जरदारी ने अमेरिका पर ही आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगा दिया है। बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि अमेरिका ने अफगानिस्तान से निकलते हुए अफगानिस्तान में जो हथियार छोड़े, उनसे आतंकवाद को बढ़ावा मिला है और पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा की चुनौती बढ़ी है।

आतंकवाद पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की बात की: बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि 'हम आतंकवाद की बात करते हैं, हम अफगानिस्तान की बात करते हैं और हम अन्य चीजों पर बात करते हैं। हमने बीते कई दशक इन्हीं मुद्दों पर बात करने में बिताए हैं।' उन्होंने कहा कि यही मुद्दे पाकिस्तान और अमेरिका के संबंधों को लगातार प्रभावित करते रहे हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में और साथ ही पूरी दुनिया में आतंकवाद का केंद्र है। हालांकि भुट्टो ने इस सब से बेखबर होने का नाटक करते हुए आतंकवाद के खिलाफ क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की बात कही।

अमेरिका पर ही लगा दिए आरोपः भुट्टो ने कहा कि 'हमें क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की जरूरत है कि हमें अब क्या करना है और अफगानिस्तान से अमेरिका के निकलने के बाद वहां जो हथियार रह गए हैं, जो आतंकियों के हाथ लग गए हैं, उनका क्या करना है। जहां तक हथियारों की बात है, आप ये जानकर हैरान होंगे कि जब हम इन आतंकी समूहों से पाकिस्तानी क्षेत्र में लड़ते हैं तो आतंकियों के पास जो हथियार होते हैं, वे हमारे सुरक्षाबलों के हथियारों से भी कई गुना आधुनिक होते हैं। ये हथियार अमेरिका ने अफगानिस्तान में छोड़े थे।' बिलावल भुट्टो जरदारी का यह बयान अमेरिका के साथ ही अफगानिस्तान को भी नाराज कर सकता है। जरदारी ने जहां परोक्ष रूप से अमेरिका पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है, वहीं अफगानिस्तान पर भी आतंकियों को पनाह देने का आरोप लगा दिया। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्ते पहले से ही सीमा विवाद और आतंकवाद के मुद्दे पर तल्ख चल रहे हैं। हाल के दिनों में दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की कोशिशें हो रही हैं, लेकिन जरदारी के ताजा बयान से फिर से रिश्ते पटरी से उतर सकते हैं।

मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल पर राहुल गांधी ने साधा निशाना, कहा-

न जवाबदेही और न ही बदलाव, सिर्फ प्रचार

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को एक बार फिर केंद्र की एनडीए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 साल में कोई जवाबदेही नहीं, बल्कि सिर्फ प्रचार हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र वर्तमान के बारे में बात करना छोड़ अब 2047 के सपने बेच रहा है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में ट्रेन हादसे के बाद राहुल गांधी ने सरकार पर यह हमला किया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक्स पर कहा कि जब मोदी सरकार 11 साल की सेवा का जश्न मना रही है, तब देश की हकीकत मुंबई से आ रही दर्दनाक खबर में दिखती है- ट्रेन से गिरकर कई लोगों की मौत। राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय रेल करोड़ों की जिंदगी की रीढ़ है, लेकिन आज यह असुरक्षा, भीड़ और अव्यवस्था की प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने कहा कि देश आज क्या झेल रहा है, ये कौन देखेगा? मैं मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई की पदोन्नति

भारतीय सेना में उपसेना प्रमुख बनाए गये, डीजीएमओ भी रहेंगे

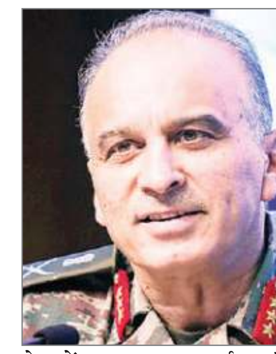

नई दिल्ली: ऑपरेशन सिंदूर में सफल भूमिका निभाने वाले भारतीय सेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को पदोन्नति दी गई है। उन्हें अब भारतीय सेना का उप सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। बतौर उप सेना प्रमुख वह रणनीति मामलों को देखेंगे। उप सेना प्रमुख बनने के बावजूद लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई पूर्व की भांति फिलहाल डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन यानी डीजीएमओ का कार्यभार भी संभालते रहेंगे।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, उप सेना प्रमुख (रणनीति) के पद पर पदोन्नत किए गए हैं। भारतीय सेना में यह एक महत्त्वपूर्ण पद है।

सेना के सभी ऑपरेशनल कार्यक्षेत्र, उप सेना प्रमुख (रणनीति) के कार्यालय को रिपोर्ट करते हैं। वहीं भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य स्तर पर होने वाली बातचीत का नेतृत्व डीजीएमओ द्वारा किया जाता है।

दिल्ली में कोरोना से एक और मौत 24 घंटे में 37 नए मरीज मिले

नई दिल्लीः राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामलों में फिर से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। मंगलवार को दिल्ली में कोरोना से एक 90 साल की महिला की कोरोना से मौत हो गई। अब तक मरने वालों की संख्या 8 हो गई है। वहीं कोविड के अब तक एक्टिव केस 691 सामने आई हैं। पिछले 24 घंटे में 37 नए मामले आए, जबकि 1232 मरीज ठीक हुए और 104 मरीज 24 घंटे में ठीक हुए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के डाटा के अनुसार, बीते रविवार को दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस 686 हैं। रविवार को दिल्ली में कोरोना के 21 नए मामले सामने आए। दिल्ली में एक जनवरी से अभी तक कोरोना के 1024 मरीज ठीक हो चुके हैं।

रविवार को कोरोना को 132 मरीज ठीक हुए। दिल्ली में कोरोना से अभी तक सात मरीजों ने दम तोड़ दिया है। डॉक्टरों का कहना है कि कोरोना के मामले कम जरूर हो रहे हैं, लेकिन इसे लेकर लापरवाही नहीं कर सकते। ऐसा करने से गंभीर मरीजों को दिक्कत हो सकती है।

कर्ज के पहाड़ तले दबा पाक, अब तक के सर्वोच्च स्तर पर ऋण, आर्थिक सर्वे में हुआ खुलासा

चार साल में बढ़कर 23 लाख करोड़ रुपए हुआ लोन

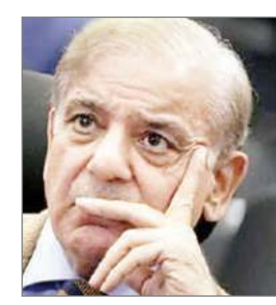

नई दिल्ली: भारत से पंगा लेने वाला पड़ोसी देश पाकिस्तान कर्ज के बोझ तले दबकर कराह रहा है। सोमवार को जारी पाकिस्तान के आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट से पता चला है कि उसका कर्ज अब तक के सबसे ऊंचे रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले से ही खस्ताहाल पाकिस्तान की माली हालत और बद से बदतर हो गई है। आर्थिक सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान का कुल सार्वजनिक कर्ज (मार्च 2025 तक) 76,007 अरब पाकिस्तानी रुपए (76 ट्रिलियन) तक पहुंच गया है, जो देश के इतिहास में अब तक का रिकॉर्ड सर्वोच्च ऋण है।

इसका मतलब है कि भारतीय रुपए में यह कर्ज 23 लाख करोड़ रुपए है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पाकिस्तान का यह सार्वजनिक ऋण पिछले चार सालों में बढकर लगभग दोगुना हो गया है, क्योंकि यह 2020-21 में कर्ज का यह आंकड़ा 39,860 अरब रुपए था। दस साल पहले, पाकिस्तान का सार्वजनिक ऋण 17,380 अरब रुपए था। इस तरह से देखें तो पिछले एक दशक में पाकिस्तान के सार्वजनिक ऋण में लगभग पांच गुना का इजाफा हुआ है।

पहलगाम रूट पर फेस रिकोग्निेशन सिस्टम, अमरनाथ यात्रा के दौरान कैमरे में संदिग्ध दिखते ही करेगा अलर्ट

एजेंसी/ श्रीनगरः जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अमरनाथ यात्रा के पहलगाम रूट पर फेस रिक्गनिशन सिस्टम (एफआरएस) लगाया है। यह सिस्टम ब्लैक लिस्टेड लोगों और घाटी में एक्टिव आतंकियों के कैमरे में आते ही सुरक्षा बलों को अलर्ट करेगा, ताकि तीर्थयात्रियों पर किसी भी तरह के आतंकवादी हमले को रोका जा सके। इसके लिए आतंकियों और संदिग्ध ओवरग्राउंड वर्कर्स की तस्वीरें इस सिस्टम में अपलोड की गई हैं। बालटाल रूट पर भी यह सिस्टम लगाए जा रहे हैं। एफआरएस डिजिटल तस्वीरों या वीडियो से चेहरे एनालिसिस करके, डेटाबेस से मिलाकर व्यक्ति की पहचान करता है।

शेयर बाजार ने निवेशकों को किया मालामाल, एक दिन में कमाए 4 लाख करोड़

मुंबईः भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हरे निशान में बंद हुए। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 256.22 अंक या 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 82,445.21 और निफ्टी 100.15 अंक या 0.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,103.20 पर था। इस तेजी का नेतृत्व निफ्टी बैंक ने किया और 57,049.50 का नया ऑल टाइम हाई बनाया। कारोबार के अंत में निफ्टी बैंक 261.20 अंक या 0.46 प्रतिशत बढ़कर 56,839.60 पर बंद हुआ।

लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 664.65 अंक या 1.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,674.95 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 290.95 अंक या 1.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,873.40 पर था। सेक्टोरल आधार पर ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, मेटल और मीडिया इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। केवल निफ्टी रियल्टी इंडेक्स ही लाल निशान में बंद हुआ।

निवेशकों ने 3.95 लाख करोड़ कमाए : बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज 6 जून को बढ़कर 455.08 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार 5 जून को 451.13 लाख करोड़ रुपये रहा था। इस तरह इरए में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 3.95 लाख करोड़ रुपये बढ़ा है। या दूसरे शब्दों में कहें तो निवेशकों की संपत्ति में करीब 3.95 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

सेंसेक्स पैक में कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, टीसीएस और टाटा मोटर्स टॉप गेनर्स थे। इटरनल (जोमैटो), आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, एमएंडएम और टाटा स्टील टॉप लूजर्स थे। जियोजित इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि आरबीआई के द्वारा रेपो रेट और सीआरआर में आक्रामक कटौती का असर आज भी फाइनेंशियल शेयरों में देखने को मिला। इन कदमों से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और उम्मीद है कि निकट से मध्यम अवधि में लिक्विडिटी बढ़ेगी। अमेरिका में सकारात्मक रोजगार डेटा और अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता को लेकर नए अपडेट ने वैश्विक सेंटीमेंट को सुधारने का काम किया है। घरेलू स्तर पर भी बड़ी कंपनियों ने एफआईआई के प्रवाह के कारण नई गति दिखाई है। भारतीय शेयर बाजार की शुरूआत सकारात्मक हुई थी। सुबह करीब 9.26 बजे सेंसेक्स 379.01 अंक या 0.46 प्रतिशत बढ़कर 82,568 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 116.15 अंक या 0.46 प्रतिशत बढ़कर 25,119.20 पर कारोबार कर रहा था।

न्यूज ब्रीफ

नवनिर्मित मार्केट कंपलेक्स का हुआ उद्घाटन

दुमका : जिला परिषद् मद से दुर्गा स्थान के सामने जिला परिषद् के जमीन पर निर्मित बहु-उद्देशीय भवन एवं जिला परिषद् कार्यालय के पश्चिमी छोर पर गाँधी मैदान के सामने निर्मित मार्केट कॉम्पलेक्स का उपायुक्त अभिजीत सिन्हा,जिला परिषद् अध्यक्षा जॉयस बेसरा,जिला परिषद् उपाध्यक्ष सुधीर कुमार मंडल ने सोमवार को संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। 75 लाख की राशि के लागत से दुर्गा स्थान के सामने जिला परिषद् के जमीन पर बहु-उद्देशीय भवन का निर्माण किया गया है एवं 89 लाख की लागत से जिला परिषद् कार्यालय के पश्चिमी छोर पर गाँधी मैदान के सामने मार्केट कॉम्पलेक्स का निर्माण किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि जल्द ही प्रक्रिया के तहत इन दोनों भवनों की बंदोबस्ती करायी जाएगी।इससे जिला परिषद् के आंतरिक राजस्व में वृद्धि होगी। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी भी उपस्थित थे।

डीसी ने प्रशिक्षु आईएएस की टीम से की मुलाकात

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने सोमवार को राज्य दर्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर देवघर परिभ्रमण में आए हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु आईएएस (2024 बैच) की टीम से मुलाकात की। साथ ही उपायुक्त ने प्रशिक्षु आईएएस की टीम से उनके परिभ्रमण के अलावा बाबा मंदिर, त्रिकुटी पर्वत एवं श्रावणी मेला क्षेत्र निरीक्षण की वस्तुस्थिति से अवगत हुए। आगे उपायुक्त ने प्रशिक्षु अधिकारियों से बातचीत करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

इसके अलावा उपायुक्त श्री लकड़ा ने देवघर जिला परिभ्रमण को लेकर आए हुए प्रशिक्षु आईएएस में आनंद शर्मा, नाजिश उमर अंसारी, सिद्धांत कुमार और हिमांशु लाल को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला नजारत उपसमाहर्ता शैलेश कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रणवीर कुमार सिंह, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी उपस्थित थे।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की हुई समीक्षा

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय सभागार में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग अंतर्गत संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

इस दौरान सर्वजन पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिला सामाजिक सुरक्षा सहायक निदेशक ललन कुमार रजक द्वारा बताया गया कि सर्वजन पेंशन योजना के सभी लाभुकों को 9 मई 2025 तक की पेंशन राशि का भुगतान किया जा चुका है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना के तहत अप्रैल माह तक की देय राशि का भुगतान कर दिया गया है।

बैठक में उपायुक्त गुमला ने निर्देशित किया कि समयबद्ध रूप से सभी पात्र लाभुकों को पेंशन राशि का नियमित भुगतान सुनिश्चित किया जाए ताकि लाभुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही उन्होंने कहा कि शत प्रतिशत योग्य नागरिकों को पेंशन योजनाओं के अंतर्गत आच्छादित किया जाए।

मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना के तहत सभी लाभुकों का आधार सीडिंग एवं भौतिक सत्यापन शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने अपील की कि जिन लाभुकों का भुगतान शेष है वे अपने आधार सीडिंग प्रक्रिया को पूर्ण कराकर, संबंधित प्रखंड अथवा अंचल कार्यालय से संपर्क करें ताकि समय पर योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

प्रखंड घाघरा में आयोजित हुआ साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस

गुमला : गुमला जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान हेतु साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। इसी क्रम में आज प्रखंड घाघरा में घाघरा प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया। जन शिकायत निवारण दिवस में कुल 29 आवेदन/शिकायतें प्राप्त हुईं। प्राप्त शिकायतों में से 21 मामलों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन किया गया। 02 शिकायतों को जिला स्तर पर अग्रसारित किया गया है। शेष 07 शिकायतों पर कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

धर्मगुरुओं पर हुए हमला मामले में झामुमो नेता मिले एसपी से

सिमडेगा : झामुमो जिला समिति ने जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना के नेतृत्व में सिमडेगा पुलिस अधीक्षक से मिला और बीती रात को समसेरा मिशन में असामाजिक तत्वों द्वारा डकैती एवं धर्म गुरुओं के साथ मारपीट किए जाने की स्थिति से अवगत कराया। झामुमो जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना और जिला सचिव मो सफीक खान ने अनुरोध किया है कि दोषियों को यथा शीघ्र पकड़ कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य नोवास केरकेट्टा,केंद्रीय समिति सदस्य संजु डांग,जिला उपाध्यक्ष रितेश बड़ाईक,जिला कोषाध्यक्ष राजेश टोप्पो,नगर अध्यक्ष अनस आलम उपस्थित थे।

मानसिक रूप से कमजोर युवती से बनाया शारीरिक संबंध

गुमला गुमला जिला अंतर्गत स्थित घाघरा प्रखंड के एक गांव में 16 वर्षीय नाबालिग चचेरे भाई ने, एक शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर चचेरी बहन के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाकर उसे गर्भवती करने , और और जान से मारने की कोशिश करने वाले 16 वर्षीय नाबालिक आरोपी को , न्यायालय में प्रस्तुत कर , और न्यायालय के आदेश पर बाल सुधार गृह भेजा गया । 16 वर्षीय नाबालिक चचेरे भाई ने अपनी 21 वर्षीय चचेरी बहन पीड़िता को किया गर्भवती , इस बात का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता के पिता बाहर ईंट भट्ठे से काम कर वापस अपने घर आयें तक उनके परिजनों ने उक्त घटना की जानकारी उन्हें दी गई , लेकिन उक्त मामला घरेलू होने के कारण दोनों पक्षों ने आपस में मिल - बैठकर उक्त मामला को सुलह समझौता करने की बात कर ही रहे थे , इसी क्रम में 6 जून 2025 को आरोपी चचेरे भाई ने पीड़ित चचेरी बहन को दोपहर में शौच से वापस घर लौट वक्त रास्ते में रोककर उसके साथ मारपीट करते हुए , जान मारने की नियत से उसका गला घोटकर मारना चाहता था , इसी क्रम में ग्रामीणों उन्हें देखकर, उक्त आरोपी के चंगुल से छुड़ाया, और पीड़िता को उसके घर पहुंचाया गया , जिससे पीड़िता के परिवार और परिजनों ने आक्रोशित होकर सीधा घाघरा थाना पहुंचकर उक्त घटना से संबंधित विस्तृत जानकारी देते हुए , और घाघरा थाना में पहुंचकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से कमजोर युवती से जबरजस्ती शारीरिक संबंध बनाने , गर्भवती बनाने और गला दबा कर जान से मरने तक की विस्तृत जानकारी घाघरा पुलिस को दी गई , और उनके द्वारा लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई गई, जिसपर घाघरा थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुयें, उक्त नाबालिग आरोपी चचेरे भाई को पुलिस ने पकड़कर , न्यायालय में प्रस्तुत करते हुयें और न्यायालय के निर्देश पर रविवार को उक्त आरोपी को बाल सुधार गृह में भेज दिया गया हैं।

लाभुकों के बीच बकरा -बकरी का वितरण

पटमदा : पशुपालन विभाग की ओर से मंगलवार को पटमदा प्रखंड मुख्यालय परिसर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों की 23 लाभुकों के बीच बकरा -बकरी का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक प्रतिनिधि चन्द्रशेखर टुडू ने किया।

उपायुक्त ने सदर अस्पताल गुमला का किया निरीक्षण

अस्पताल की व्यवस्था को और बेहतर बनाने का दिया निर्देश

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय स्थित गुमला सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ एवं सुलभ बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी गुमला प्रेरणा दीक्षित द्वारा सदर अस्पताल गुमला का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने ओपीडी , मैटरनिटी वार्ड, ऑपरेशन थिएटर , जनरल वार्ड, फामेर्सी कक्ष समेत अस्पताल के विभिन्न कक्षों एवं संपूर्ण व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया।

निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त गुमला ने कहा कि सदर अस्पताल अंतर्गत कार्यों का संचालन व्यवस्थित रूप से किया जा रहा है, तथापि जिन बिंदुओं पर सुधार की आवश्यकता है, उन्हें अविलंब दूर किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुलभ बनाने हेतु ठोस कदम उठाए जाएं। इस क्रम में उपायुक्त गुमला ने वेटिंग चेयर की संख्या बढ़ाने एवं वेटिंग एरिया के विस्तार का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने अस्पताल परिसर में अनावश्यक रूप से ऑटो वाहनों के प्रवेश एवं ठहराव पर रोक लगाने का निर्देश दिया।

अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अस्पताल व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनाने हेतु एक समग्र एक्शन प्लान तैयार कर प्रस्तुत करने का निर्देश भी संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया।

इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने मॉडल ऑपरेशन थिएटर के निर्माण हेतु शीघ्र प्रस्ताव तैयार कर भेजने की बात कही, जिससे उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

निरीक्षण के दौरान परियोजना निदेशक आईटीडीए, उपविकास आयुक्त गुमला, डीएस, डीपीएम स्वास्थ्य, आयुष्मान भारत समन्वयक मोनिका बाला सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।उपायुक्त गुमला ने अंत में कहा कि जिलेवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दिशा में सभी आवश्यक कदम तत्परता से उठाए जाएंगे।

उपायुक्त ने भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

मेट्रो रेज संवाददाता

देवघर : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने नगर निगम कार्यालय स्तिथ भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके अलावा मौके पर उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए उपायुक्त श्री लकड़ा ने सोमवार को धरती आबा भगवान भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि बहुत खास है। आगे उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के महान योगदान को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनका साहस, संघर्ष और मातृभूमि के प्रति समर्पण हम सभी को अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ संकल्पित होने की प्रेरणा देता है। भगवान बिरसा मुंडा के त्याग, साहस और समाज के लिए संघर्ष भावी पीढ़ियों के लिए सदैव पथप्रदर्शक है। प्रेरणा से परिपूर्ण भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से हम सभी को आगे बढ़ने और सीखने की आवश्यकता हैं।

मौके पर नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, उप नगर आयुक्त सागरी बराल, जिला नजारत उपसमाहर्ता शैलेश कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी नरेश रजक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल भारती, जिला योजना पदाधिकारी मुकेश कुमार, सहायक नगर आयुक्त, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, सिटी मैनेजर एवं संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित थे।

जलछाजन कार्यों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करें : उपायुक्त

मेट्रो रेज संवाददाता

सिमडेगा: उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में वॉटर शेड (जलछाजन) परियोजना की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में वॉटर शेड के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति और क्रियान्वयन की जानकारी ली गई। जिला तकनीकी विशेषज्ञ द्वारा बताया गया कि वॉटर शेड योजना के अंतर्गत कोलेबिरा एवं बोलबा प्रखंड के कादोपानी पंचायत में विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जलछाजन के तहत निर्मित मॉडल का भी अवलोकन किया और इसके प्रभाव का मूल्यांकन किया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जलछाजन कार्यों को गुणवत्ता एवं समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए ताकि ग्रामीणों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि इन परियोजनाओं से जल संरक्षण, सिंचाई व्यवस्था और कृषि उत्पादकता में सुधार होगा। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने योजना के बेहतर क्रियान्वयन हेतु अपने सुझाव भी साझा किए। अंत में उपायुक्त श्रीमती सिंह ने कादोपानी पंचायत का स्वयं भ्रमण कर कार्यों का स्थल निरीक्षण करने की बात कही, ताकि जमीनी स्तर पर कार्यों की प्रगति का आकलन किया जा सके।

बैठक में उप विकास आयुक्त श्री संदीप कुमार दोराईबुरु, जिला तकनीकी विशेषज्ञ श्री सुभाष कुमार, जेजेवाई के निरंजन कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने किया धरती आबा को नमन

दुमका : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सोमवार को उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उपायुक्त श्री सिन्हा ने भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान को नमन करते हुए कहा कि वे स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महानायक थे, जिन्होंने आदिवासी समाज के हक और अधिकारों के लिए संघर्ष किया और अपने अद्भुत साहस व नेतृत्व से समाज को नई दिशा दी।

इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी को उनके पदचिन्हों पर चलने और उनके सिद्धांतों को आत्मसात करने की अपील की।जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों ने भी माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

11 छात्रों का अजीम प्रेमजी विवि में हुआ चयन

सिमडेगा : सिमडेगा जिले के लिए गौरव का क्षण रहा जब जिले के 11 मेधावी छात्रों का चयन अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बैंगलोर और भोपाल कैंपस में उच्च शिक्षा के लिए हुआ। इन छात्रों ने अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित ब्रिज प्रोग्राम के माध्यम से प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त कर 100% छात्रवृत्ति अर्जित की है। चयनित छात्रों में 9 भोपाल कैंपस और 2 बैंगलोर कैंपस में अध्ययन करेंगे। उपायुक्त सिमडेगा श्रीमती कंचन सिंह ने इन सफल छात्रों को सम्मानित करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उपायुक्त ने कहा कि सिमडेगा जैसे पिछड़े माने जाने वाले जिले से छात्रों का राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त करना जिले के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि शिक्षा के क्षेत्र में अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करेगी। उन्होंने छात्रों को नई जगहों पर सजग रहने, अपनी सुरक्षा का ध्यान रखने तथा किसी भी समस्या की स्थिति में जिला प्रशासन से तुरंत संपर्क करने की सलाह दी। उपायुक्त ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों से अनुरोध किया कि छुट्टियों के दौरान छात्रों के आगमन और प्रस्थान की जानकारी जिला प्रशासन को नियमित रूप से दी जाए। साथ ही शिक्षा विभाग और विश्वविद्यालय के अधिकारियों से छात्रों की प्रगति की जानकारी साझा करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री संदीप कुमार दोराईबुरु, जिला योजना पदाधिकारी, चयनित छात्र, उनके अभिभावक, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सदस्य प्रीतम गुप्ता, सुकृति कर्मकार, दिलीप अधिकारी, आनंद प्रभात और अनिशा एंजेला कुजूर उपस्थित थे।

नशामुक्ति को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : झारखंड राज्य सरकार द्वारा दिनांक 10 जून 2025 से 26 जून 2025 तक प्रस्तावित राज्यव्यापी निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान के सफल संचालन हेतु आज नगर भवन गुमला में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के सभी प्रमुख विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी प्रेरणा दीक्षित रहीं। अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि ₹नशा न केवल शरीर को बल्कि व्यक्ति के सपनों और भविष्य को भी नष्ट कर देता है। नशे से ग्रसित बच्चों एवं नागरिकों में कई मानसिक और शारीरिक लक्षण देखने को मिलते हैं। इसे रोकने हेतु जिला प्रशासन सतत प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि गुमला जिले को नशामुक्त बनाने के लिए सख्त कार्ययोजना तैयार की गई है। अफीम, गांजा एवं अन्य मादक पदार्थों के सेवन और सप्लाई करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने यह भी बताया कि जिले में 'जीरो टॉलरेंस नारकोटिक्स अभ्यास' प्रारंभ किया गया है। सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि नशे के सप्लाई चैन एवं विक्रेताओं पर तत्काल कार्रवाई करें। साथ ही उपायुक्त गुमला ने जिलेवासियों से अपील की कि यदि किसी भी व्यक्ति को नशीले पदार्थों की बिक्री या सप्लाई की जानकारी हो तो वे सीधे उनके आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर सूचना दें। नागरिकों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अगले 20 दिनों में जिले के सभी संबंधित थाना एवं पुलिस पदाधिकारी नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करें और इसकी जानकारी आम जनता तक भी पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि ₹सभी नागरिक सूचना तंत्र के रूप में कार्य करें और जिले को नशामुक्त बनाने के लिए प्रशासन का सहयोग करें। यह सामूहिक प्रयास से ही संभव होगा।

उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखें। यदि किसी बच्चे में असामान्य व्यवहार दिखाई दे तो तुरंत पहल कर आवश्यक कदम उठाएं। ₹यदि कोई बच्चा पहले से नशे की लत में है तो जिला प्रशासन उसे इस बुरी लत से छुटकारा दिलाने हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा, उन्होंने कहा। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों एवं बच्चों को भी नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में पुलिस विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, वन विभाग, जेसीबीएस, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, खेल विभाग, श्रम विभाग, पंचायती राज विभाग एवं नगर परिषद के अधिकारी एवं कर्मी शामिल हुए।

समन्वय के साथ नशा मुक्त अभियान चलाये : उपायुक्त

सिमडेगा: उपायुक्त कंचन सिंह की अध्यक्षता में निषिद्ध मादक पदार्थो के विरुद्ध जनजागरूकता कार्यक्रम अभियान दिनांक 10 जून से 26 जून 2025 तक चलाये जाने वाले अभियान की कार्ययोजना की जानकारी ली।जिसमे गृह ,कारा,एवं आपदा प्रबंधन विभाग के संयुक्त दैनिक कार्यक्रम के संबंध में जिले के संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि पंचायतों में होने वाले कार्यक्रमों का समेकित योजना तैयार हो।इसके कार्यक्रमों के फोटो, वीडियो अभियान के एप्प में अपलोड करवाना सुनिश्चित करेंगे।सामूहिक योजना से अभियान प्रभावशाली होगा।दिनांक 10 जून 2025 को प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना की जाएगी एवं नशामुक्ति का शपथ दिलाई जाएगी। इस अवसर पर उपविकास आयुक्त संदीप कुमार दोराईबुरु,सिविल सर्जन,रामदेव पासवान,जिला पंचायतीराज पदाधिकारी, समाज कल्याण पदाधिकारी,जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी,नगर प्रबंधक बी डी ओ समीर रनियर सहित अन्य उपस्थित थे।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में कला प्रशिक्षण शिविर का समापन

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : कला आंतरिक मन में ऊपजी क्रिया प्रतिक्रिया के बीच, संदर्भ व अभिव्यक्ति को जोड़ खुद विस्तारित होती है। कला ब्यक्त हो संस्कृति का हिस्सा तब बन जाती है, जब मानव खुद को खुद में तरासना या गढ़ना शुरू कर देता है। बात रखना चाहेंगे बाल कला की, वेदना संवेदना के बीच नन्ही उंगलियां जब सृजन के लिए खुद को अनुकूल मान चित्र सृजन करती है।तब जीवन की सजीव चीत्र मूर्त रूप में हमारे सामने होती है। बाल कला बाल रचना संसार इन्हीं विचारों के साथ निडर होकर कला के उत्कृष्टता को बिना समझे बस यूं ही नन्हीं उंगलियों को घुमाते जातें हैं कलाकृतियां सापाट रंगों के साथ हमारे सामने होती है। पिछले दिनों भोजपुर के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों में एक सजग कलात्मक प्रयास किया गया था। प्रखर समझ रखने वाले कार्यक्रम पदाधिकारी चन्दन प्रभाकर जी, व संदर्भ संगत विचार रखने वाले जिला प्रभारी कस्तूरबा गांधी मिथिलेश कुमार। दोनों अधिकारी के विचारों का उपज भोजपुर जिला में पहली बार कला के व्यापक संगम बाल कला के रूप में निखरकर सामने आया। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में बारी बारी से तीन दिनों का कला शिविर रख ललित कला शिक्षकों के सहयोग से एक खासा प्रभावी कला प्रदर्शनी डॉ नेमिचन्द शास्त्री कन्या उच्च विद्यालय में रखा गया। पुरे एक माह के मेहनत लगन से ललित कला विषय से संबंधित कला के भिन्न-भिन्न विषय जैसे चित्रकला, मूर्तिकला, कोलाज, उडकट, पेपरमैशी, पोस्टर,व तरह तरह के कागज के प्रयोग से बनें खिलौने ने लोगों को बरबस अपने तरफ आकर्षित किया। बाल कला बाल रचना में अक्सर देखा समझा गया है कि, बच्चे अपने कल्पनाओं के दुनिया का सृजन रूप रेखा अपने घर परिवार समाज गांव घर से ही प्रेरित हो स्थिति परिस्थिति को चित्र व शिल्प का हिस्सा मान लेते हैं। तब है कि उनके द्वारा सृजित कला में स्थानीयता व सामाजिक बनावट बुनावट को बड़ा ही बेहतर शैली में चित्रित किया जाता है। यह आयोजन या इस तरह का कला शिविर प्रदर्शनी,जहां तक पता किया गया तो बिहार में पहली बार आयोजित हुआ। तकरीबन 30 कलाकारों का अलग अलग टोली बना, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में प्रतिनियुक्ति कर एक कलात्मक अभियान की तरह प्रयास किया गया। सरकारी विद्यालयों में इस तरह का सृजनात्मक आयोजन कम ही देखने को मिलता है।तब है कि नवाचार शिक्षा पद्धति व शैली में गतिविधि को प्रमुखता से जगह दिया गया है,सायद यह भी एक मजबूत पक्ष रहा कला संस्कृति को समृद्धि देने के लिए। छात्राओं ने तुलिका व रंग के साथ खुब खेली, प्राइमरी कला बारिकियों को बताने समझाने के बाद उन्हें फ्रि छोड़ दिया गया। छात्राओं ने अपनी सृजित कलाकृति में कलागत समग्रता को बड़ा ही मौलिक अंदाज में खेल खेल में ही ऐसे ढेरों कलाकृतियां गढ़ डालीं जो भोजपुर के लिए मिशाल है। निश्चित रूप से कला शिक्षकों का वो अथक परिश्रम ही था, जो कला गतिविधि को लोक शिक्षा से जोड़ शिक्षा में कला महत्व को मजबूती दी। एक महीने के कलात्मक प्रयास में लगभग 5000 कलाकृतियों ने जन्म लिया था,जो स्थानीय भावना के बीच वैचारिक संदर्भ गढ़ता नजर आया। कोई भी सृजनात्मक प्रयास तब अपने मूल शैक्षणिक स्वभाव को प्रदर्शित कर पाता है,जब वाहां के अधिकारी पदाधिकारी सृजनात्मक समझ रखता हो। इस कला संगम में निश्चित रूप से जिला शिक्षा पदाधिकारी अहसन जी ने अपने वैचारिक संबोधन में कला गतिविधि शिक्षा पर बल देते नजर आए थे। छात्र जीवन में अकादमिक पृष्ठभूमि अगर कला से जुड़ जाए तो, जीवन प्रायोगिक कला के लिए खुद को अनुकूल बना ही लेती है।तब है कि आज कला शिक्षा से सिधा रोजगार जुड़ा है, पारंपरिक कला सृजन व समकालीन कला रचना दोनों अपने मूल शैक्षणिक स्वभाव से शिक्षा को रोजगार, स्वरोजगार से जोड़ता दिखता है। कुल मिलाकर देखा जाए विचार रखा जाएं तो पाएंगे कि कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों में,यह कला शिविर कला प्रदर्शनीयां निश्चित रूप से लोगों के मन मस्तिष्क में एक एहसास पैदा करने में सफल दिखती है। इस तरह का सृजनात्मक प्रयोग शिक्षा के क्षेत्र में समय-समय पर होते रहना चाहिए,जो छात्र छात्राओं के लिए एक बेहतर विकल्प के रूप में दिखें। कुल मिलाकर यह आयोजन भोजपुर के धरती से शुरू हुआ और समाज में शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा विदो के बीच संदर्भ गढ़ अपने मौलिक मूल्यों को लेकर चर्चा में रहेगा या है।